मंगलवार

34 साल से देहरादून का विश्वास

08 सितम्बर 2026

- देहरादून
- वर्ष 34
- अंक 227
- पृष्ठ 8
- मूल्य ₹ 1.00

दूनवैलीमेल

सांध्य दैनिक

आर.एन.आई. : 59626/94

email: doonvalley_news@yahoo.com

Website: dunvalleymail.com

डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

मेला मैदान में रेलिंग से लटके मिले दो शव!

हमारे संवाददाता

चमोली। जिले से एक सनसनीखेज घटना सामने आई है। नंदानगर क्षेत्र के मेला मैदान में दो लोगों के शव रेलिंग से लटके मिलने के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी।

मृतकों की पहचान सुनील और रिया के रूप में बताई जा रही है। दोनों के घर घटनास्थल से करीब 500 मीटर की दूरी पर स्थित हैं। दो शव मिलने की सूचना मिलते ही नंदानगर पुलिस घटनास्थल पर पहुंची। पुलिस ने मौके का निरीक्षण कर मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस दोनों की मौत के कारणों और घटना से जुड़े तमाम पहलुओं की पड़ताल कर रही है। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि दोनों की मौत किन परिस्थितियों में हुई। पुलिस जांच और पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही मौत की वास्तविक वजह स्पष्ट हो सकेगी। ग्रामीणों के अनुसार, सुनील और रिया के बीच दोस्ती थी और दोनों अक्सर साथ स्कूल आते-जाते थे।

दोनों की मौत की खबर सामने आने के बाद क्षेत्र में तरह-तरह की चर्चाएं हैं। हालांकि, पुलिस सभी संभावित पहलुओं को ध्यान में रखते हुए जांच कर रही है।

घटनास्थल से मिले साक्ष्यों और अन्य जानकारी के आधार पर पुलिस पूरे घटनाक्रम की कड़ियां जोड़ने में जुटी है। नंदानगर पुलिस मामले की गहनता से जांच कर रही है। पुलिस का कहना है कि जांच पूरी होने के बाद ही घटना के संबंध में स्पष्ट जानकारी सामने आ सकेगी।

दिन दहाड़े मासूम बच्ची के अपहरण से मचा हड़कंप !

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। धर्मनगरी में आज दोपहर दिन दहाड़े घर के बाहर से एक मासूम बच्ची के अपहरण की घटना से हड़कंप मच गया। सूचना मिलने पर पुलिस ने मौके पर पहुंच कर जांच शुरू कर दी है।

दिन दहाड़े मासूम बच्ची के अपहरण की यह घटना ज्वालापुर क्षेत्र में सामने आयी है। यहां ईदगाह रोड स्थित दीक्षा राइजिंग स्कूल के सामने आज दोपहर दिनदहाड़े मासूम बच्ची के अपहरण की घटना से पूरे क्षेत्र में सनसनी फैल गई। बताया जा रहा है कि बच्ची जुड़वा बहनों में से एक है और घटना के समय अपनी दादी के साथ घर के बाहर खेल रही थी।

जानकारी के मुताबिक, बच्ची की दादी कुछ सामान रखने के लिए घर के अंदर गई थीं। इसी दौरान एक युवक मौके पर पहुंचा और मासूम बच्ची को गोद में उठाकर फरार हो गया। दादी के बाहर आने पर बच्ची को गायब देख परिवार में हड़कंप मच गया।

घटना की सूचना मिलते ही ज्वालापुर पुलिस मौके पर पहुंची और बच्ची की तलाश में जुट गई। आसपास के क्षेत्र में छानबीन की जा रही है। वहीं, स्थानीय युवाओं की टीम भी बच्ची की तलाश में जुटी हुई है।

दिनदहाड़े हुई इस घटना के बाद इलाके में दहशत का माहौल है। परिजन बच्ची की सकुशल बरामदगी की आस लगाए हुए हैं। पुलिस घटना से जुड़े सभी पहलुओं की जांच कर रही है।

पत्नी को आत्महत्या के लिए मजबूर करने वाला पति गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। रानीपुर कोतवाली क्षेत्र में युवती को आत्महत्या के लिए मजबूर करने के मामले में पुलिस ने उसके पति को गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक युवती ने परिजनों की मर्जी के खिलाफ आरोपी से कोर्ट मैरिज की थी। बाद में गर्भवती होने पर आरोपी पति द्वारा कथित रूप से दबाव और धमकी दिए जाने से वह मानसिक रूप से परेशान थी।

बता दें कि रामधाम कॉलोनी निवासी युवती के परिजनों ने 26 जुलाई को उसकी गुमशुदगी दर्ज कराई थी। तलाश के दौरान 27 जुलाई को पथरी पावर हाउस स्थित बैराज से युवती का शव बरामद हुआ था। पोस्टमार्टम के बाद परिजनों ने पुलिस को बताया कि युवती ने अजय नामक युवक से कोर्ट मैरिज की थी और ससुराल पक्ष के व्यवहार से परेशान थी।

पुलिस जांच में सामने आया कि युवती ने 25 जून 2026 को अजय से कोर्ट मैरिज की थी। पुलिस के अनुसार, गर्भवती होने के बाद आरोपी पति कथित तौर पर उस पर अपनी इच्छानुसार काम करने का दबाव बनाता था और गर्भावस्था की बात मोहल्ले में बताने की धमकी देता था। इससे युवती मानसिक रूप से परेशान थी। पुलिस के मुताबिक 25 जुलाई को बहादराबाद स्थित लाल पुल के पास नहर में युवती की मौत हुई थी। परिजनों की शिकायत और जांच के आधार पर गुमशुदगी के मामले को 13 अगस्त को मुकदमा अपराध संख्या 283/26, धारा 108 बीएनएस में तरमीम किया गया। मामले में कार्रवाई करते हुए पुलिस ने नामजद आरोपी अजय (28) पुत्र स्व. राजपाल, निवासी ब्रह्मपुरी, रावली महदूद, रानीपुर, हरिद्वार को पूछताछ के बाद हिरासत में लिया। आरोपी को विधिक कार्रवाई के बाद उसका चालान कर दिया। मामले में नामजद अन्य आरोपियों की भूमिका की भी पुलिस जांच कर रही है।

दून वैली मेल

संपादकीय

आत्मनिर्भरता की परीक्षा

रक्षा क्षेत्र में करीब 1.10 लाख करोड़ रुपये की पूंजीगत खरीद को मंजूरी ऐसे समय में मिली है, जब भारत के सामने सुरक्षा चुनौतियां लगातार जटिल हो रही हैं। रक्षा अधिग्रहण परिषद ने थलसेना, नौसेना और वायुसेना के लिए विभिन्न सैन्य प्रणालियों और उपकरणों की खरीद को आवश्यकता की स्वीकृति दी है। महत्वपूर्ण बात यह है कि करीब 98 प्रतिशत खरीद भारतीय उद्योगों से किए जाने का लक्ष्य रखा गया है। लेकिन इस फैसले को केवल बड़े बजट और आधुनिक सैन्य साजो-सामान की खरीद के रूप में देखना पर्याप्त नहीं होगा। असली सवाल यह है कि क्या भारत रक्षा जरूरतों को स्थायी स्वदेशी क्षमता में बदल पा रहा है? युद्ध का स्वरूप बदल चुका है। अब केवल सैनिकों की संख्या या पारंपरिक सैन्य उपकरण किसी देश की ताकत तय नहीं करते। रडार, इलेक्ट्रानिक युद्ध क्षमता, सुरक्षित संचार, निगरानी, गतिशीलता और अत्याधुनिक तकनीक निर्णायक भूमिका निभा रहे हैं। ऐसे में तीनों सेनाओं का आधुनिकीकरण समय की मांग है। इस खरीद पैकेज में थलसेना के लिए उन्नत हल्के हेलीकॉप्टर, उच्च गतिशीलता वाले वाहन, सीबीआरएन टोही वाहन, माइन लेयर और सर्वत्र ब्रिज सिस्टम जैसे उपकरण शामिल हैं। नौसेना के लिए अरुध्रा रडार तथा मरीन गैस टर्बाइन के डिजाइन-विकास और खरीद को मंजूरी दी गई है। वहीं वायुसेना की लड़ाकू क्षमता बढ़ाने के साथ ग्राउंड-बेस्ड मल्टी-पर्पज जैमर और सुरक्षित स्मार्ट कार्ड प्रणाली को भी मंजूरी मिली है। यहां सबसे महत्वपूर्ण संकेत 98 प्रतिशत स्वदेशी खरीद का है। यदि यह लक्ष्य वास्तव में धरातल पर उतरता है तो यह केवल रक्षा खरीद नहीं, बल्कि भारत की औद्योगिक क्षमता के विस्तार का बड़ा अवसर होगा। रक्षा उत्पादन से जुड़े निजी उद्योग, सार्वजनिक उपक्रम, अनुसंधान संस्थान, स्टार्टअप और छोटे उद्योगों को इससे नई संभावनाएं मिल सकती हैं। लेकिन आत्मनिर्भरता का अर्थ केवल विदेशी सामान के स्थान पर भारतीय कंपनी से सामान खरीदना नहीं होना चाहिए। आत्मनिर्भरता तब मानी जाएगी, जब तकनीक का विकास, डिजाइन, परीक्षण, उत्पादन और उसके बाद रखरखाव, इन सभी क्षेत्रों में भारत अपनी क्षमता खड़ी करे। भारत लंबे समय तक दुनिया के बड़े हथियार आयातकों में रहा है। अब दिशा बदलने की कोशिश हो रही है। इसलिए 1.10 लाख करोड़ रुपये का यह पैकेज मेक इन इंडिया की अगली परीक्षा भी है। पैसा खर्च होना उपलब्धि नहीं है। उससे देश की तकनीकी क्षमता कितनी बढ़ी, यह असली उपलब्धि होगी। इसके साथ ही रक्षा खरीद की प्रक्रिया में पारदर्शिता, समयबद्धता और गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं होना चाहिए। बड़ी रक्षा परियोजनाओं में देरी का सीधा असर सेना की परिचालन तैयारियों पर पड़ता है। कागज पर स्वीकृत परियोजनाएं यदि वर्षों तक फाइलों में घूमती रहें तो भारी-भरकम बजट भी अपेक्षित परिणाम नहीं दे सकता। इसलिए मंजूरी के बाद अनुबंध, उत्पादन, आपूर्ति और तैनाती की पूरी प्रक्रिया पर लगातार निगरानी जरूरी है। यह भी याद रखना होगा कि रक्षा बजट और सामाजिक विकास एक-दूसरे के विरोधी नहीं हैं। मजबूत सीमाएं और मजबूत अर्थव्यवस्था एक-दूसरे की पूरक हैं। देश की सुरक्षा के लिए जरूरी निवेश होना चाहिए, लेकिन हर रुपये का अधिकतम राष्ट्रीय लाभ भी सुनिश्चित होना चाहिए। 1.10 लाख करोड़ रुपये की यह मंजूरी इसलिए महत्वपूर्ण है कि यह भारत की सुरक्षा जरूरतों के साथ-साथ उसके औद्योगिक भविष्य का भी फैसला कर सकती है। अब सरकार के सामने चुनौती खरीद की घोषणा से आगे बढ़कर ऐसी रक्षा अर्थव्यवस्था बनाने की है, जहां भारतीय सैनिकों को अत्याधुनिक उपकरण मिलें और उन उपकरणों की तकनीक के लिए भारत को बार-बार दूसरे देशों की ओर न देखना पड़े। यही इस बड़े रक्षा पैकेज की वास्तविक सफलता होगी।

चुनावी हुंकार से पहले 'म्यान' से निकलीं तलवारें

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड में 2027 की चुनावी जंग अभी औपचारिक रूप से शुरू भी नहीं हुई, लेकिन सियासी तलवारें म्यान से बाहर आ चुकी हैं। हल्द्वानी के कथित मंच शुद्धिकरण को लेकर भाजपा और कांग्रेस के बीच शुरू हुआ विवाद अब सीधे सियासी प्रतिष्ठा की लड़ाई में बदल गया है। कांग्रेस सड़क पर है तो भाजपा बयानबाजी के मोर्चे पर। कांग्रेस इसे सामाजिक सम्मान और दलित अस्मिता से जोड़ रही है, वहीं भाजपा ने कांग्रेस पर पलटवार करते हुए आरोप लगाया है कि बार-बार जनता द्वारा नकारे जाने से बौखलाई पार्टी देवभूमि को बदनाम करने की कोशिश कर रही है।

भाजपा ने कांग्रेस पर हमला और तीखा करते हुए कहा कि कांग्रेस को दलितों के सम्मान की चिंता नहीं, बल्कि अपने युवराज के कथित झूठ को सच साबित करने की चिंता है। पार्टी का आरोप है कि कांग्रेस एक विवाद को राजनीतिक हथियार बनाकर उत्तराखंड के सामाजिक सौहार्द और देवभूमि की छवि को नुकसान पहुंचाने का प्रयास कर रही है। यानी चुनावी मौसम आने से पहले ही उत्तराखंड में शुद्धिकरण बनाम राजनीतिक शुद्धता की नई जंग छिड़ गई है और इस जंग में सबसे दिलचस्प बात यह है कि दोनों प्रमुख दल एक-दूसरे को कठघरे में खड़ा करने में इतने व्यस्त हैं कि प्रदेश के असली सवालों की आवाज लगातार धीमी पड़ती जा रही है।

भाजपा ने कांग्रेस के आंदोलन और उसके नेताओं के बयानों पर सवाल खड़े करते हुए कहा कि यदि कांग्रेस को वास्तव में दलित समाज के सम्मान की चिंता है तो उसे राजनीतिक तमाशे के बजाय तथ्यों और कानून की प्रक्रिया पर भरोसा करना चाहिए। भाजपा का कहना है कि कांग्रेस पूरे घटनाक्रम को अपनी राजनीतिक जरूरत के मुताबिक पेश कर रही है। पार्टी ने कांग्रेस की रणनीति पर सवाल उठाते हुए आरोप लगाया कि विपक्ष को उत्तराखंड की जनता से जुड़े वास्तविक मुद्दों पर बात करने के बजाय ऐसा विषय मिल गया है, जिसके जरिए भावनाओं को भड़काकर राजनीतिक लाभ लेने की कोशिश की जा सकती है। भाजपा के निशाने पर कांग्रेस नेतृत्व भी है। पार्टी का आरोप है कि कांग्रेस राष्ट्रीय स्तर पर अपने शीर्ष नेतृत्व के कथित दावों को उत्तराखंड की घटना के सहारे सही साबित करने की कोशिश कर रही है। भाजपा का सीधा संदेश है कि कांग्रेस को जनता ने नकार दिया है, इसलिए अब वह विवादों में राजनीतिक जमीन तलाश रही है।

◆हल्द्वानी शुद्धिकरण पर सामाजिक अस्मिता बनाम देवभूमि की साख की जंग
◆बार-बार नकारे जाने से बौखलाई कांग्रेस, देवभूमि को बदनाम करने में जुटी
◆भाजपा का पलटवार दलितों की नहीं, युवराज के झूठ को सच साबित करने की

दूसरी ओर कांग्रेस इस मुद्दे को हाथ से जाने देने के मूड में नहीं है। पार्टी इसे केवल एक स्थानीय विवाद मानने के बजाय सामाजिक सम्मान और संवैधानिक मूल्यों से जोड़कर सरकार पर दबाव बना रही है। कांग्रेस का तर्क है कि किसी भी व्यक्ति या समुदाय के सम्मान से जुड़ा सवाल उठाना राजनीति नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक जिम्मेदारी है। पार्टी सरकार से पूरे मामले पर जवाब और कार्रवाई की मांग कर रही है। कांग्रेस का आंदोलन इस बात का संकेत भी है कि पार्टी आगामी चुनाव से पहले सामाजिक मुद्दों को राजनीतिक लामबंदी के हथियार के रूप में इस्तेमाल करने की तैयारी में है। यहीं से भाजपा और कांग्रेस की रणनीति साफ दिखाई देती है। भाजपा-कांग्रेस के आरोपों को राजनीतिक षड्यंत्र बताकर खारिज करना चाहती है। कांग्रेस इसी विवाद को सरकार के खिलाफ बड़े राजनीतिक अभियान में बदलना चाहती है। लेकिन असली सवाल कहीं और है...।

हल्द्वानी का विवाद राजनीतिक मंच पर जितना बड़ा हो गया है, उतना ही बड़ा सवाल यह है कि क्या उत्तराखंड के बाकी मुद्दे इसी शोर में दब जाएंगे? प्रदेश का बेरोजगार युवा नौकरी मांग रहा है। पहाड़ का गांव पलायन से खाली हो रहा है। बरसात में सड़कें टूट रही हैं। आपदा प्रभावित परिवार राहत और पुनर्वास की बाट जोह रहे हैं। दूरस्थ क्षेत्रों में स्वास्थ्य सुविधाएं अब भी चुनौती हैं। सरकारी स्कूलों की गुणवत्ता पर सवाल उठते हैं। कृषि और बागवानी से जुड़े लोग बाजार और बेहतर आय की मांग कर रहे हैं। महिलाएं स्थानीय स्तर पर रोजगार और सुरक्षित आजीविका चाहती हैं। लेकिन राजनीतिक मंच पर इस वक्त सबसे तेज आवाज किसकी है? शुद्धिकरण विवाद की। यही वह बिंदु है जहां जनता और राजनीति के बीच दूरी दिखाई देती है।

2027 का विधानसभा चुनाव दोनों दलों के लिए प्रतिष्ठा का सवाल बनने जा रहा है। भाजपा सत्ता में वापसी के लिए अपना रिकार्ड और संगठन सामने रखेगी, जबकि कांग्रेस सरकार के खिलाफ माहौल बनाने की कोशिश करेगी। ऐसे में कोई भी ऐसा मुद्दा जो भावनात्मक प्रतिक्रिया पैदा कर सके, राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण हो जाता है। शुद्धिकरण विवाद भी इसी संदर्भ में देखा जा रहा है। कांग्रेस के लिए यह सरकार को घेरने का अवसर है। भाजपा के लिए कांग्रेस पर हमला करने का अवसर। लेकिन जनता के लिए? जनता के लिए सवाल यह है कि इससे उसके जीवन में क्या बदलेगा? क्या इससे रोजगार आएगा? क्या पलायन रुकेगा? क्या गांव में डाक्टर पहुंचेगा? क्या बरसात में सड़क बंद नहीं होगी? क्या युवाओं को घर के पास काम मिलेगा? इन सवालों का जवाब न भाजपा के आरोप में है, न कांग्रेस के आंदोलन में।

भाजपा ने जहां इसे देवभूमि की छवि से जोड़ दिया है, वहीं कांग्रेस इसे दलित सम्मान के सवाल के रूप में देख रही है। दोनों दलों के अपने राजनीतिक तर्क हैं। लेकिन यही वह जगह है जहां राजनीतिक बहस को सावधानी की जरूरत है। किसी घटना की जांच, दोष तय करना और कानून के अनुसार कार्रवाई करना अलग बात है।

▶▶ शेष पृष्ठ 7 पर

53 निरीक्षकों, उपनिरीक्षकों के तबादले अमित शर्मा बने बसंत विंहार थाना प्रभारी

संवाददाता

देहरादून। एसएसपी प्रमेन्द्र डोबाल ने 53 निरीक्षकों, उपनिरीक्षकों के कार्यक्षेत्र में फेरबदल करते हुए अमित शर्मा को बसंत विहार थाना प्रभारी नियुक्त किया।

आज यहां एसएसपी प्रमेन्द्र डोबाल ने 53 निरीक्षकों, उपनिरीक्षकों के तबादले करते हुए झाझरा चौकी प्रभारी अमित शर्मा को बसंत विहार थाना प्रभारी नियुक्त किया। इसके अलावा निरीक्षक विनोद गुसांई को पटेलनगर से डालनवाला कोतवाली का प्रभार सौंपा। नरेश राठौर को प्रेमनगर से पटेलनगर कोतवाल, संतोष कुंवर को शिकायत प्रकोष्ठ से कैण्ट कोतवाल, नरेन्द्र गहलावत को डालनवाला से मसूरी, देवेन्द्र चौहान को मसूरी से नेहरूकालोनी, प्रदीप रावत को सहसपुर से प्रभारी शिकायत प्रकोष्ठ, मोहन सिंह को क्लेमन्टाऊन से थानाध्यक्ष रायवाला, लोकपाल परमार को सेलाकुई से क्लेमनटाऊन, गिरीश नेगी को एसआईएस शाखा से थाना प्रेमनगर, शैंकी कुमार को बसन्त विहार से सेलाकुई, मनोज नौटियाल को नेहरू कालोनी से सहसपुर, प्रद्युमन नेगी को प्रेमनगर से चौकी प्रभारी झाझरा,

▶▶ शेष पृष्ठ 7 पर

न दांव-पेंच, न बयानबाजी : उत्तराखंड की सियासत में चुपचाप तीसरा विकल्प गढ़ने की होड़

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड की राजनीति में 2027 का चुनावी माहौल बनने लगा है। भाजपा और कांग्रेस हल्द्वानी के कथित शुद्धिकरण प्रकरण को लेकर आमने-सामने हैं। आरोप-प्रत्यारोप और प्रदर्शन के बीच आम आदमी पार्टी और उत्तराखंड क्रांति दल अपेक्षाकृत खामोशी से अपनी जमीन मजबूत करने में जुटे हैं। यही इस समय प्रदेश की राजनीति का दिलचस्प पहलू है। दो बड़े दल एक-दूसरे से लड़ रहे हैं और छोटे दल जनता के बीच अपनी जगह तलाश रहे हैं। उत्तराखंड में 2022 का विधानसभा चुनाव लड़ चुकी आप अब संगठन को मजबूत करने और भाजपा-कांग्रेस से अलग राजनीतिक विकल्प पेश करने की कोशिश में है। शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, महंगाई और भ्रष्टाचार जैसे मुद्दे उसके निशाने पर हैं। लेकिन पहाड़ी राजनीति में केवल मुद्दे काफी नहीं। स्थानीय संगठन और भरोसेमंद नेतृत्व आप की सबसे बड़ी चुनौती हैं। अगर पार्टी इन्हें मजबूत कर पाती है तो वह कुछ सीटों पर मुकाबले को प्रभावित कर सकती है।

यूकेडी के पास उत्तराखंड आंदोलन की विरासत और पहाड़ के सवालों की राजनीतिक जमीन है। पलायन, रोजगार, जल-जंगल-जमीन और स्थानीय संसाधनों पर अधिकार उसके पुराने मुद्दे हैं। मगर राज्य गठन के बाद पार्टी अपना जनाधार कायम नहीं रख सकी। 2027 उसके लिए राजनीतिक वापसी की बड़ी परीक्षा है। सवाल यह है कि क्या वह उत्तराखंडियत के मुद्दे को फिर से मतदाता की प्राथमिकता बना पाएगी?

◆शुद्धिकरण की लड़ाई से मिला खुला स्पेस, आप-यूकेडी की पैठ
◆बड़े दलों की तकरार में छोटे दल तलाश रहे सियासी जमीन

शुद्धिकरण विवाद ने भाजपा-कांग्रेस को एक-दूसरे पर हमला करने का नया मौका दिया है। लेकिन इसी बीच बेरोजगारी, पलायन, स्वास्थ्य, शिक्षा और आपदा जैसे सवाल पीछे छूट रहे हैं। यहीं छोटे दलों के लिए राजनीतिक अवसर बनता है। युवा नौकरी पूछ रहा है, पहाड़ पलायन का जवाब मांग रहा है और गांव बुनियादी सुविधाओं की। अगर आप और यूकेडी इन सवालों को लगातार जमीन पर उठाते हैं तो भाजपा-कांग्रेस के बीच नाराज मतदाताओं के लिए विकल्प बनने की कोशिश कर सकते हैं।

फिलहाल आप या यूकेडी को भाजपा-कांग्रेस के बराबर खड़ा करना जल्दबाजी होगी। दोनों दलों के सामने संगठन, संसाधन और सीटों तक पहुंच बनाने की बड़ी चुनौती है। लेकिन चुनावी राजनीति में कुछ सीटों पर सीमित वोट भी बड़ा खेल बदल सकते हैं। यदि मुकाबला कई सीटों पर त्रिकोणीय हुआ तो दोनों प्रमुख दलों के समीकरण प्रभावित हो सकते हैं। 2027 की लड़ाई अभी लंबी है, लेकिन राजनीतिक संकेत साफ हैं। भाजपा और कांग्रेस अगर एक-दूसरे को घेरने में ही उलझे रहे तो आप और यूकेडी के लिए जगह बन सकती है। फिलहाल यह जगह छोटी है, लेकिन चुनावी राजनीति में छोटा सियासी सुराख भी बड़े समीकरण बदल सकता है।

गन्ने की फसल को रोगों ने घेरा, किसानों की बढ़ी चिंता

रुड़की(आरएनएस)। जनपद में इस समय खेतों में लहरा रही गन्ने की फसल पर कई बीमारियों का खतरा बढ़ गया है। लाल सड़न, उकठा या विल्ट रोग और पोक्का बोइंग जैसे रोगों के लक्षण दिखाई देने से किसानों के माथे पर चिंता की लकीरें खिंच गई हैं। गन्ना क्षेत्र की प्रमुख फसलों में शामिल है और बड़ी संख्या में किसान इसकी खेती से जुड़े हुए हैं। जनपद हरिद्वार में डेढ़ लाख से अधिक किसानों द्वारा खेती की जाती है इस समय खेतों में गन्ने की फसल तैयार खड़ी हुई है। कृषि वैज्ञानिक पुरुषोत्तम कुमार के अनुसार बारिश के दौरान खेतों में पानी भरने और नमी अधिक रहने से फसल में रोगों का प्रकोप बढ़ सकता है। उन्होंने किसानों को खेतों में जलभराव नहीं होने देने और पानी की नियमित निकासी की व्यवस्था करने की सलाह दी है। उन्होंने बताया कि लाल सड़न रोग में गन्ने को चीरने पर उसका अंदरूनी हिस्सा लाल दिखाई देता है और उसमें सफेद धब्बे नजर आ सकते हैंउकठा या विल्ट रोग से प्रभावित पौधे की पत्तियां पीली पड़ने लगती हैं और पौधा धीरे-धीरे मुरझाकर सूख जाता है। वहीं पोक्का बोइंग रोग में नई पत्तियां विकृत और सिकुड़ी हुई दिखाई देती हैं। कृषि वैज्ञानिक ने किसानों से अपील की है कि वे नियमित रूप से अपनी फसल का निरीक्षण करें। रोगग्रस्त पौधों की पहचान होते ही कृषि विभाग या गन्ना विशेषज्ञों से सलाह लें। संक्रमित पौधों को खेत में छोड़ने के बजाय वैज्ञानिकों की सलाह के अनुसार नष्ट करें।

महारैली में हर विभाग और विद्यालय से कर्मचारी भेजने का निर्णय

पिथौरागढ़(आरएनएस)। पुरानी पेंशन बहाली की मांग को लेकर नगर के एक होटल में एनएमओपीएस पदाधिकारियों और शिक्षक-कर्मचारियों की बैठक हुई। बैठक में 13 सितंबर को देहरादून में प्रस्तावित महारैली और मुख्यमंत्री आवास घेराव की तैयारियों पर चर्चा की गई। रविवार को एक होटल में हुई बैठक में जनपद के प्रत्येक विभाग और विद्यालय से शिक्षक-कर्मचारियों की महारैली में भागीदारी सुनिश्चित करने का निर्णय लिया गया। रैली में शामिल होने वाले कर्मचारियों की सूची तैयार कर जिला कार्यकारिणी को उपलब्ध कराने पर भी सहमति बनी। एनएमओपीएस पदाधिकारियों ने कहा कि पुरानी पेंशन बहाली शिक्षक-कर्मचारियों के भविष्य से जुड़ा महत्वपूर्ण मुद्दा है।महारैली में पिथौरागढ़ की मजबूत भागीदारी के जरिए सरकार तक मांग को प्रभावी ढंग से पहुंचाया जाएगा। बैठक के बाद अशोक सिंह ठकुराठी को जनपदीय कोषाध्यक्ष और मनोज वर्मा को जनपदीय कार्यालय मंत्री व मीडिया प्रभारी मनोनीत किया गया। इस दौरान राजकीय शिक्षक संघ जिलाध्यक्ष प्रवीण सिंह रावल, एनएमओपीएस जिलाध्यक्ष बिजेन्द्र लुंठी, महासचिव मोहित सिंह बिष्ट, कोषाध्यक्ष अशोक सिंह ठकुराठी, फार्मेसी अधिकारी एसोसिएशन अध्यक्ष केएस अधिकारी, नर्सिंग एसोसिएशन जिला महामंत्री दीपा रावत, पीडब्ल्यूडी अध्यक्ष ललित शर्मा, नीरज जोशी, संजय जोशी और गौरव कुमार पंत समेत अन्य पदाधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

सेलाकुई में विधिक जागरूकता शिविर में 3500 लोगों ने लिया हिस्सा

विकासनगर(आरएनएस)। उत्तराखंड हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति मनोज कुमार गुप्ता ने कहा कि सभी जरूरतमंदों को सुलभ और त्वरित न्याय मिलना चाहिए। सरकारी योजनाओं का लाभ भी हर जरूरतमंद को मिले। यह बातें उन्होंने सेलाकुई में उत्तराखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण नैनीताल की ओर से आयोजित बहुउद्देश्यीय विधिक सेवाएं एवं जागरूकता शिविर को संबोधित करते हुए कही। शिविर का शुभारंभ मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति मनोज कुमार गुप्ता, कार्यपालक अध्यक्ष न्यायमूर्ति मनोज कुमार तिवारी एवं न्यायमूर्ति राकेश थपलियाल ने किया। न्यायमूर्ति मनोज कुमार गुप्ता ने युवाओं से नशे से दूर रहने की अपील की और नारकोटिक्स टास्क फोर्स की ओर से किए गए नुक्कड़ नाटक को भी सराहा।जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव सीमा डुंगराकोटी ने बताया कि शिविर का उद्देश्य जरूरतमंद एवं वंचित वर्ग तक न्यायिक सेवाओं और सरकारी योजनाओं की पहुंच सुनिश्चित करना है। शिविर में विभिन्न योजनाओं से दो हजार से अधिक लाभार्थी लाभान्वित हुए। मौके पर जिला न्यायाधीश हरीश कुमार गोयल, प्रधान न्यायाधीश कुटुंब न्यायालय आरके खुल्बे, सदस्य सचिव उत्तराखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण प्रदीप कुमार मणि, बार एसोसिएशन देहरादून के अध्यक्ष अनिल कुकरेती, सचिव अजय बिष्ट डीएम डॉ. आशीष चौहान,एसएसपी प्रमेंद्र डोबाल सहित न्यायिक एवं प्रशासनिक अधिकारी मौजूद रहे।

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

—प्रबंधक विज्ञापन

भाजपा का 'अभेद्य' चुनावी 'चक्रव्यूह'

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। आगामी विधानसभा चुनाव से पहले भाजपा ने संगठन को जमीन के अंतिम छोर तक मजबूत करने और सरकार की विकास योजनाओं को आमजन तक पहुंचाने का महा-रोडमैप तैयार कर लिया है। पार्टी की रणनीति अब केवल चुनावी तैयारियों तक सीमित नहीं रहने वाली, बल्कि सेवा, संपर्क और संगठन को एक साथ जोड़कर बूथ स्तर तक सक्रियता बढ़ाने की है। लक्ष्य साफ है कि सरकार के काम का संदेश घर-घर पहुंचे और संगठन का नेटवर्क हर मतदाता तक अपनी पहुंच बनाए। भाजपा की रणनीति में सबसे अधिक जोर बूथ को मजबूत करने पर है। पार्टी के लिए बूथ केवल चुनाव के समय सक्रिय होने वाली इकाई नहीं, बल्कि पूरे साल जनता से संपर्क का माध्यम बनेगा। बूथ समितियों को स्थानीय समस्याओं की जानकारी जुटाने, सरकारी योजनाओं के लाभार्थियों से संवाद करने और जरूरतमंद लोगों तक सहायता पहुंचाने की जिम्मेदारी दी जाएगी।

भाजपा संगठन की योजना में केंद्र और राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को प्रमुखता से रखा गया है। पार्टी कार्यकर्ता गांव-गांव जाकर यह बताने की कोशिश करेंगे कि विकास योजनाओं का लाभ किस तरह अंतिम व्यक्ति तक पहुंच रहा है। साथ ही जहां किसी पात्र व्यक्ति को योजना का लाभ नहीं मिला है, वहां उसकी समस्या को संबंधित स्तर तक पहुंचाने की व्यवस्था पर भी जोर रहेगा। पार्टी का मानना है कि सरकार की उपलब्धियों को केवल मंचों और विज्ञापनों तक सीमित रखने के बजाय उन्हें जनता के बीच ले जाना जरूरी है। यही कारण है कि संगठन को सेवा गतिविधियों से जोड़ने की रणनीति तैयार की जा रही है।

भाजपा के संगठनात्मक ढांचे में बूथ, शक्ति केंद्र और मंडल स्तर पर जिम्मेदारियों को और स्पष्ट किया जाएगा। पन्ना प्रमुखों और बूथ कार्यकर्ताओं को अपने-अपने क्षेत्र में नियमित संपर्क का जिम्मा दिया जाएगा। पार्टी की नजर खास तौर पर उन इलाकों पर रहेगी जहां संगठन कमजोर है या जहां राजनीतिक समीकरण तेजी से बदल रहे हैं। इसके साथ ही युवा, महिला, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य सामाजिक समूहों के बीच संगठन की गतिविधियां बढ़ाने की योजना है। पार्टी की कोशिश हर वर्ग के साथ अलग-अलग स्तर पर संवाद स्थापित करने की है।

भाजपा के रोडमैप में एक महत्वपूर्ण पहलू स्थानीय समस्याओं को राजनीतिक संवाद का हिस्सा बनाना है। पहाड़ में पलायन, रोजगार, सड़क, स्वास्थ्य, शिक्षा, आपदा और मूलभूत सुविधाओं से जुड़े सवालों पर पार्टी कार्यकर्ताओं को जनता के बीच जाने के निर्देश दिए जा सकते हैं। मैदानी क्षेत्रों में शहरीकरण, यातायात, रोजगार, महंगाई और आधारभूत ढांचे से जुड़े मुद्दों पर फोकस रहेगा। यानी संगठन की रणनीति में एक ही फार्मूला पूरे प्रदेश पर लागू करने के बजाय क्षेत्रवार मुद्दों को प्राथमिकता देने की तैयारी है।

भाजपा के लिए सेवा गतिविधियां संगठन विस्तार का महत्वपूर्ण माध्यम रही हैं। अब इसी मॉडल को और व्यापक स्तर पर लागू करने की तैयारी है। रक्तदान, स्वास्थ्य शिविर, स्वच्छता अभियान, पर्यावरण संरक्षण, आपदा राहत और जरूरतमंदों की सहायता जैसी गतिविधियों के जरिए पार्टी कार्यकर्ताओं की जनता के बीच मौजूदगी बढ़ाई जाएगी। इस रणनीति के पीछे राजनीतिक संदेश भी स्पष्ट है। भाजपा चाहती है कि चुनाव से काफी पहले ही उसका कार्यकर्ता मतदाता के संपर्क में रहे। इससे चुनावी समय में अचानक सक्रिय होने के बजाय संगठन के पास स्थायी जनसंपर्क नेटवर्क तैयार रहेगा। आगामी विधानसभा चुनाव भाजपा के लिए लगातार तीसरी बार सत्ता में वापसी की चुनौती से जुड़ा है। ऐसे में संगठन की मजबूती पार्टी की सबसे बड़ी ताकत मानी जा रही है। सरकार के कामकाज, मुख्यमंत्री के चेहरे और संगठन की सक्रियता। इन तीनों को एक साथ जोड़कर चुनावी जमीन तैयार करने की रणनीति दिखाई दे रही है।

हालांकि, रोडमैप की सफलता इस बात पर निर्भर करेगी कि इसका क्रियान्वयन कागजों से निकलकर गांव की चौपाल, बूथ की बैठक और आम मतदाता के दरवाजे तक कितनी तेजी से पहुंचता है। भाजपा के सामने चुनौती केवल उपलब्धियां गिनाने की नहीं, बल्कि जनता के बीच मौजूद नाराजगी, स्थानीय असंतोष और विपक्ष के सवालों का जवाब देने की भी होगी। यही वजह है कि भाजपा का नया संगठनात्मक मंत्र केवल सत्ता की वापसी तक सीमित नहीं दिख रहा। पार्टी अब सेवा के जरिये संपर्क, संपर्क के जरिये संगठन और संगठन के जरिये चुनावी बढ़त बनाने की रणनीति पर आगे बढ़ती नजर आ रही है।

◆भाजपा का मिशन बूथ, चुनाव सिर्फ लक्ष्य नहीं, हर घर से संपर्क का संकल्प, जीत की रणनीति
◆अंतिम छोर तक पहुंचेगा विकास, भाजपा ने तैयार किया सेवा-संगठन की मजबूती का महा-रोडमैप
◆बूथ से लेकर गांव तक सक्रिय होगा भाजपा संगठन, जनसेवा को चुनावी रणनीति से जोड़ेगी भाजपा

पंजाबी गौरव सम्मेलन को ऐतिहासिक बनाएं कार्यकर्ता:भट्ट

रुद्रपुर(आरएनएस)। 10 सितंबर को रुद्रपुर में प्रस्तावित पंजाबी गौरव सम्मेलन को भाजपा ने तैयारियां तेज कर दी हैं। भाजपा जिला कार्यालय में ऊधमसिंह नगर और काशीपुर जिलों की संयुक्त व्यवस्था बैठक आयोजित कर सम्मेलन की तैयारियों की समीक्षा की गई।

इस दौरान प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट ने कार्यकर्ताओं से कहा कि वे सम्मेलन को भव्य एवं ऐतिहासिक बनाएं। कार्यक्रम की विभिन्न व्यवस्थाओं के लिए पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारियां सौंपी गईं। बैठक में बताया गया कि भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन हल्द्वानी और रुद्रपुर प्रवास के दौरान विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल होंगे।

रुद्रपुर में वह पंजाबी गौरव सम्मेलन में शिरकत कर समाज के लोगों और पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करेंगे।राष्ट्रीय अध्यक्ष के आगमन को देखते हुए दोनों जिलों के संगठन ने व्यापक जनसहभागिता के साथ सम्मेलन को सफल बनाने की रणनीति तैयार की।

बैठक का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन और वंदेमातरम् के साथ हुआ। जिलाध्यक्ष कमल कुमार जिंदल ने स्वागत भाषण दिया और जिला महामंत्री तरुण दत्ता ने संचालन किया।

सम्मेलन के संयोजक संदीप बाजवा हैं। प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट, सांसद अजय भट्ट और कैबिनेट मंत्री सौरभ बहुगुणा ने कार्यकर्ताओं को संबोधित कर तैयारियों की समीक्षा की। महेंद्र भट्ट ने कहा कि राष्ट्रीय अध्यक्ष के कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए प्रत्येक कार्यकर्ता अपनी जिम्मेदारी पूरी निष्ठा से निभाए। दोनों जिलों के पदाधिकारियों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित कर सभी व्यवस्थाएं समय से पूरी की जाएं।

बैठक में लोगों के आगमन, स्वागत, कार्यक्रम स्थल की व्यवस्था और जनसंपर्क समेत विभिन्न बिंदुओं पर चर्चा की गई। कार्यकर्ताओं से अपने-अपने क्षेत्रों में संपर्क अभियान तेज कर अधिक से अधिक लोगों को सम्मेलन से जोड़ने का आह्वान किया गया।

वक्ताओं ने कहा कि विभाजन की त्रासदी और विस्थापन की कठिन परिस्थितियों के बावजूद पंजाबी समाज ने परिश्रम, पुरुषार्थ और राष्ट्रभक्ति के बल पर देश और प्रदेश के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

उद्योग, व्यापार, कृषि, शिक्षा और सामाजिक क्षेत्र में समाज की उल्लेखनीय भूमिका रही है। पंजाबी गौरव सम्मेलन समाज के संघर्ष, संस्कृति और राष्ट्र निर्माण में योगदान को सम्मान देने का अवसर है। अंत में पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने 10 सितंबर को होने वाले सम्मेलन को भव्य, अनुशासित और सफल बनाने का संकल्प लिया।

बैठक में प्रदेश महामंत्री कुंदन परिहार, प्रदेश महामंत्री तरुण, काशीपुर जिलाध्यक्ष मनोज पाल, विधायक शिव अरोरा, विधायक हरभजन सिंह चीमा, पूर्व विधायक प्रेम सिंह राणा, पूर्व विधायक राजेश शुक्ला, मेयर विकास शर्मा, दीपक बाली, दर्जाधारी उत्तम दत्ता, किसान आयोग के उपाध्यक्ष सुरेंद्र सिंह नामधारी, जिला सह प्रभारी साकेत अग्रवाल, धन सिंह रावत समेत पंजाबी-सिख समाज के लोग मौजूद रहे।

फिल्म टॉक्सिक का अंग्रेजी वर्जन भी हुआ बुरी तरह फ्लॉप...!

सुपरस्टार यश की फिल्म टॉक्सिक का अंग्रेजी वर्जन भी भारतीय बॉक्स ऑफिस पर बुरी तरह पस्त हो गया है। मुंबई, बेंगलुरु, गुरुग्राम और नोएडा जैसे 4 बड़े शहरों के महज 11 शो में रिलीज हुई इस फिल्म को देखने बेहद कम दर्शक पहुंचे। पूरे देश में इस इंग्लिश कट के सिर्फ 450 टिकट ही बिक सके, जिससे पहले दिन की कमाई लगभग 1.40 लाख पर सिमट गई। ये निराशाजनक शुरुआत फिल्म के लगातार गिरती बॉक्स ऑफिस कमाई को दर्शाती है।

टॉक्सिक को बॉक्स ऑफिस पर एक और बड़ा झटका लगा है। 26 अगस्त को कन्नड़ और हिंदी, तमिल, तेलुगू, मलयालम में रिलीज होने के बाद अब फिल्म का अंग्रेजी वर्जन भी फ्लॉप साबित हुआ।

गीतू मोहनदास के निर्देशन में बनी कियारा आडवाणी और नयनतारा जैसे कलाकारों से सजी इस फिल्म को लेकर दर्शकों का उत्साह पूरी तरह खत्म हो चुका है। अंग्रेजी वर्जन की इतनी निराशाजनक शुरुआत ने फिल्म की कमाई की डूबती नैया को और कमजोर कर दिया है। टॉक्सिक का अंग्रेजी वर्जन 4 सितंबर को सिनेमाघरों में उतरा और पहले ही दिन पूरी तरह पस्त हो गया। रिपोर्ट के अनुसार, देशभर में इसके केवल 450 टिकट बिके। महज 1.40 लाख की कमाई हुई। मुंबई, बेंगलुरु, गुरुग्राम और नोएडा जैसे 4 बड़े शहरों में इसे सिर्फ 11 शो मिले थे।

गुरुग्राम और नोएडा में कुल मिलाकर 25 टिकट भी नहीं बिक पाए। सीमित स्क्रीन्स और दर्शकों की बेरुखी ने निर्माताओं की बची-खुची उम्मीदें भी तोड़ दीं। पहले ही दिन सिर्फ 1.40 लाख रुपये कमाने वाली टॉक्सिक का अंग्रेजी वर्जन वीकेंड पर और भी बुरी तरह पिट सकता है। दर्शकों के न आने से शनिवार और रविवार को इसके शो और कम किए जा सकते हैं।

5 और 6 सितंबर जैसे बड़े दिनों में भी फिल्म के सुधरने के कोई आसार नहीं हैं। कमाई की इस सुस्त रफ्तार को देखकर लगता है कि फिल्म पूरे रन में 10 लाख का आंकड़ा भी शायद ही पार कर पाएगी। टॉक्सिक का अंग्रेजी वर्जन पहले से ही मुश्किलों से घिरे माहौल में रिलीज हुआ। 26 अगस्त को रिलीज हुई इस फिल्म को कड़े मुकाबले और बाद में आई नई फिल्मों का सामना करना पड़ा। सबसे बड़ी वजह रही खराब वर्ड ऑफ माउथ। यश के फैंस के बीच भारी दीवानगी के बावजूद आम दर्शकों ने इसे नकार दिया। इसके अलावा फिल्म में महिलाओं के चित्रण और हद से ज्यादा हिंसा की वजह से भी इस फिल्म की कड़ी आलोचना हुई।

मुसाफिर कैफे वाली वेदिका पिंटो के हाथ लगी प्रोसित रॉय की फिल्म, लक्ष्य संग जमेगी जोड़ी

नेटफ्लिक्स की सीरीज मुसाफिर कैफे (जुलाई, 2026) में नजर आईं वेदिका पिंटो के हाथ एक बड़ी फिल्म लगी है। खबर है कि फिल्म निर्देशक प्रोसित रॉय की अगली मनोवैज्ञानिक थ्रिलर में वह मुख्य किरदार निभाएंगी, जिसमें लक्ष्य की पुष्टि पहले से हो चुकी है। फिल्म का शीर्षक अब तक तय नहीं हुआ है, लेकिन इसे एक अनूठी मनोवैज्ञानिक प्रेम कहानी बताया जा रहा है। लक्ष्य और वेदिका के रूप में दर्शकों को जल्द ही एक नई जोड़ी दिखाई देगी।

एक सूत्र ने कहा, वेदिका इस किरदार के लिए सबसे उपयुक्त हैं। इस भूमिका के लिए ऐसी अभिनेत्री की जरूरत है जो इसमें ताजगी और तीव्रता ला सके, और वह इस किरदार में बखूबी फिट बैठती हैं। प्रोसित को लक्ष्य के साथ जिस तरह की ऊर्जा चाहिए थी, उसके बारे में वे स्पष्ट थे, और वेदिका इसके लिए एकदम सही विकल्प साबित हुईं। उनकी जोड़ी बिल्कुल नई है, और निर्माता इसी बात को लेकर उत्साहित हैं। सूत्र ने आगे कहा, फिल्म निर्माता इस परियोजना को इस साल के अंत में निर्माण कार्य में लाने की दिशा में काम कर रहे हैं। फिल्म 2027 में रिलीज होने की योजना है। बताया जा रहा है कि फिल्म में प्रेम-कहानी के मनोवैज्ञानिक पहलुओं को गहराई से दिखाया जाएगा। एक पारंपरिक प्रेम-कहानी के विपरीत, यह फिल्म अपने मनोवैज्ञानिक तत्वों से रोमांस में एक नया आयाम जोड़ेगी। मुसाफिर कैफे की सफलता के बाद, वेदिका के बिल्कुल अलग किरदार की उम्मीद है।

'सांझ-ए-भक्ति' ने बिखेरी आध्यात्मिकता और संगीत की अनूठी छटा

संवाददाता

देहरादून। शहर में पहली बार आयोजित विशेष आध्यात्मिक कार्यक्रम 'सांझ-ए-भक्ति' उत्साह, उमंग और भक्तिमय वातावरण के बीच सम्पन्न हुई। हार्मनी मीता द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में शहर के गणमान्य नागरिकों के साथ ही संगीत एवं आध्यात्मिकता में रुचि रखने वाले लोगों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्राणिक ब्रीदिंग से हुआ। इसके माध्यम से प्रतिभागियों ने दिनभर की व्यस्तता और तनाव से दूर शांति एवं सुकून का अनुभव किया। इसके बाद साउंड हीलिंग एवं साउंड बाथ का विशेष सत्र आयोजित किया गया। प्रमाणित साउंड हीलर मीता चटर्जी ने विभिन्न वाद्य यंत्रों की ध्वनियों और कंपन के माध्यम से प्रतिभागियों को गहन विश्राम एवं सकारात्मक ऊर्जा का अनुभव कराया।

इस दौरान वातावरण में शांति और आध्यात्मिकता की अनूठी अनुभूति देखने को मिली। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण भजन जैमिंग रहा, जिसका संचालन प्रसिद्ध गायिका स्वाति सिंह ने किया। उनके मधुर भजनों पर उपस्थित लोगों ने भी पूरे उत्साह के साथ सहभागिता की। सामूहिक गायन, तालियों और भक्ति संगीत ने पूरी शाम को भक्तिमय बना दिया। देहरादून रोड स्थित एक स्थानीय होटल में साउंड हीलिंग, भक्ति संगीत और सामूहिक सहभागिता के अनूठे संगम ने 'सांझ-ए-भक्ति' को महज एक आयोजन न रहकर भावनात्मक एवं आध्यात्मिक अनुभव में बदल दिया। प्रतिभागियों ने इसे तनाव से राहत, मानसिक शांति और सकारात्मक ऊर्जा प्रदान करने वाला अनुभव बताया। आयोजकों की ओर से अतिथियों के लिए हाई-टी एवं स्वादिष्ट स्नैक्स की विशेष व्यवस्था की गई। साथ ही प्रतिभागियों को रिटर्न गिफ्ट भी प्रदान किए गए। कार्यक्रम के समापन पर आयोजकों और प्रतिभागियों के बीच आत्मीय संवाद हुआ तथा सभी ने इस पहल की सराहना की। आयोजकों ने बताया कि 'सांझ-ए-भक्ति' का उद्देश्य संगीत, ध्वनि, श्वास और भक्ति के माध्यम से लोगों को स्वयं से जुड़ने तथा मानसिक शांति का अनुभव करने का अवसर प्रदान करना था। लोगों की उत्साहपूर्ण भागीदारी ने इस उद्देश्य को सार्थक किया। मीता चटर्जी और स्वाति सिंह के विशेष सहयोग से सजी यह आध्यात्मिक संध्या संगीत, भक्ति, शांति और सकारात्मक ऊर्जा से भरपूर यादगार अनुभव बन गई।

राज्य आंदोलनकारी ज्योति बहुगुणा की पुण्यतिथि पर कांग्रेसजनों ने अर्पित की श्रद्धांजलि

हमारे संवाददाता

देहरादून। राज्य आंदोलनकारी एवं पूर्व सभासद स्वर्गीय ज्योति बहुगुणा की पुण्यतिथि पर कांग्रेसजनों ने उन्हें भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर प्रदेश कांग्रेस उपाध्यक्ष लालचंद शर्मा के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया। लालचंद शर्मा ने कहा कि ज्योति बहुगुणा ने उत्तराखंड राज्य आंदोलन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और राज्य निर्माण के लिए उनके योगदान को सदैव याद किया जाएगा। उन्होंने कहा कि राज्य आंदोलनकारियों के संघर्ष और बलिदान के कारण ही उत्तराखंड एक अलग राज्य के रूप में अस्तित्व में आया। इस अवसर पर उपस्थित कांग्रेसजनों ने स्वर्गीय ज्योति बहुगुणा के योगदान को याद करते हुए उनके आदर्शों और संघर्ष की भावना को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया। प्रदेश उपाध्यक्ष लाल चंद शर्मा, प्रदेश प्रवक्ता दीप वोहरा, सचिव संजय कद्दू, राजू बहुगुणा ,पी ए न बहुगुणा, राजू प्रजापति, आंदोलनकारी विपुल ,संजय, मुकेश, पुनीत कुमार, विजेंद्र बहुगुणा ,राम तीर्थ कार्यकर में में कांग्रेस के कई पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

शब्द सामर्थ्य -062

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. जल छिड़कना, राजा के सिंहासन रोहन का अनुष्ठान 4. मवाद, पीब (अं) 6. जाति 7. हाथ से धीरे-धीरे ठोंकना, थपकना 9. कमल रोग से ग्रसित व्यक्ति (उ.) 11. किरण 12. छौंक, तड़का 13. दुखदायी, दर्दनाक 15. विवाद, कहासुनी, तकरार 18. समूह, दल, समुदाय 19. दण्ड 20. काजल 22. अनाथ, निराश्रित, यतीम 24. दुख, शोक 25. एक प्रसिद्ध सफेद पक्षी, वक 26. राज्य का विदेश में प्रतिनिधि।

ऊपर से नीचे

1. विचित्र, अद्भूत 2. अंदर ही अंदर हानि पहुंचाना 3. वचन, वाणी 4. गुमराह, जो रास्ते से भटक गया हो 5. मुलायम सिंह की पार्टी का संक्षिप्त नाम 8. ब्रह्मापुत्र एक प्रसिद्ध देवर्षि 10. कार्यावली, करस्तानी, प्रशंसनीय कार्य 13. दासी, नौकरानी, बांदी, गुलाम स्त्री 14. प्रवृत्त करने वाला, प्रेरित करने वाला, आविष्कारक 16. श्रीकृष्ण के बड़े भाई, हलधर 17. सामान (उ.) 21. संसार, दुनिया 22. समय, चमेली की जाति का एक पौधा और फूल 23. पराजित, परास्त।

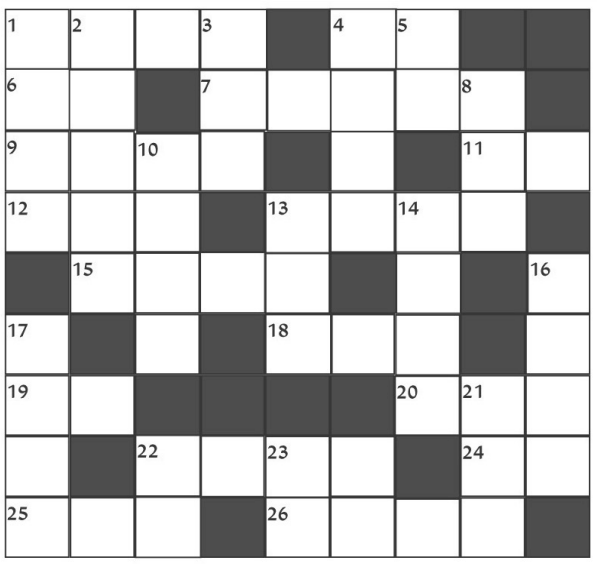

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 61 का हल

दि	क्क	त	■	आ	सा	न	■	आ
ल	■	मी	■	खि	■	सी	ख	ना
■	म	ज	बू	र	■	ह	■	जा
स	र्द	■	■	का	■	त	रा	ना
र	■	■	■	र	वि	■	ह	■
प	ह	ना	ना	■	ना	रा	ज	■
ट	■	■	क	शि	श	■	नी	ला
■	र	■	■	का	■	रा	■	य
खा	ति	र	दा	री	■	त	क्ष	क

अचानक छत से टपकने लगा है पानी? इन बातों पर दें ध्यान

अगर अचानक से पानी छत पर टपकने लगे तो सबसे पहले आपको घबराने की जरूरत नहीं है। यह समस्या आमतौर पर बारिश के मौसम में होती है। इसके पीछे कई कारण हो सकते हैं, जैसे कि पाइपलाइन का टूटना, छत पर जमी गंदगी या फिर छत की खराब स्थिति। आइए आज हम आपको कुछ ऐसे संकेत और सावधानियां बताते हैं, जो आपको इस समस्या को सही ढंग से समझने और समाधान निकालने में मदद कर सकते हैं।

पानी कहां से आ रहा है, इसका पता लगाएं : सबसे पहले यह पता लगाएं कि पानी कहां से आ रहा है। क्या यह पाइपलाइन के कारण है या फिर छत की खराब स्थिति के कारण हो रहा है। इसके लिए आपको छत के आसपास की दीवारों और फर्श को बारीकी से जांचना होगा। अगर दीवारों पर पानी के धब्बे हैं तो यह पाइपलाइन का मुद्दा हो सकता है, वहीं अगर फर्श पर गंदगी जमी हुई है तो यह छत की खराब स्थिति का संकेत हो सकता है।

पाइपलाइन की स्थिति जांचें : अगर पानी टपकने का कारण पाइपलाइन है तो इसकी स्थिति जांचना बहुत जरूरी है। इसके लिए आपको अपने घर की सभी पाइपलाइनों को बारीकी से देखना होगा। अगर कोई पाइप टूटी हुई या ढीली हो तो उसे तुरंत ठीक करवाएं या बदलें। इसके अलावा यह भी सुनिश्चित करें कि पाइपलाइन में कोई रुकावट न हो और पानी आसानी से बह सके। अगर जरूरत पड़े तो एक अच्छे प्लंबर से संपर्क करें और उसे समस्या के बारे में बताएं।

छत की स्थिति देखें : छत की स्थिति भी इस समस्या का एक अहम कारण हो सकती है। अगर आपकी छत पुरानी या खराब हालत में है तो उसमें दरारें या छेद हो सकते हैं, जिनसे पानी टपक सकता है। इसके लिए आपको सबसे पहले इन दरारों और छेदों को ठीक करवाना होगा ताकि पानी का सही तरीके से निपटारा हो सके। आप चाहें तो इन दरारों और छेदों को भरने के लिए सीमेंट या अन्य सामग्री का उपयोग कर सकते हैं।

गंदगी का जमाव न होने दें : अगर आपकी छत पर गंदगी जमी हुई है तो यह भी पानी के टपकने का कारण बन सकती है। खासकर अगर यह गंदगी पत्तियों या मिट्टी जैसी भारी चीजों की हो तो इसे तुरंत साफ करें। इसके अलावा छत पर रखे पौधों की मिट्टी भी जांचें और अगर वह गीली हो तो उसे सुखाने की कोशिश करें। इससे पानी का जमाव नहीं होगा और आपकी छत सुरक्षित रहेगी। नियमित सफाई से भी इस समस्या से बचा जा सकता है।

खाने में इस्तेमाल किया जा सकता है लैवेंडर, इससे बनाएं ये व्यंजन

लैवेंडर एक सुगंधित और औषधीय गुणों से भरपूर पौधा है। आमतौर पर इसका इस्तेमाल अरोमाथेरेपी और त्वचा की देखभाल के उत्पादों में किया जाता है। हालांकि, क्या आप जानते हैं कि लैवेंडर को खाने में भी इस्तेमाल किया जा सकता है? जी हां, लैवेंडर खाने में भी काफी उपयोग होने लगा है। इस लेख में हम आपको बताते हैं कि कैसे आप लैवेंडर को अपनी रसोई में शामिल कर सकते हैं और इससे क्या-क्या व्यंजन बना सकते हैं।

लैवेंडर की चाय : लैवेंडर की चाय एक बेहतरीन पेय है, जो आपको आराम और शांति प्रदान करता है। इसे बनाने के लिए एक कप पानी में कुछ लैवेंडर के फूल डालें और उसे उबालें।जब पानी हल्का नीला हो जाए तो इसे छानकर कप में डालें और इसमें शहद मिलाकर पिएं। यह चाय तनाव कम करने में मदद करती है और नींद लाने में भी सहायक है।इसके नियमित सेवन से आपका मन शांत रहता है और आप ताजगी महसूस करते हैं।

लैवेंडर की आइसक्रीम : गर्मियों में ठंडी-ठंडी आइसक्रीम कौन नहीं पसंद करता? अगर आप कुछ नया आजमाना चाहते हैं तो घर पर ही लैवेंडर की आइसक्रीम बना सकते हैं।इसके लिए दूध, मलाई, चीनी और लैवेंडर का इस्तेमाल करें। इन सभी सामग्रियों को मिलाकर उबालें और ठंडा होने दें, फिर इसे जमने के लिए रख दें।जब आइसक्रीम जम जाए तो इसे परोसें और इसका आनंद लें। यह आइसक्रीम न केवल स्वादिष्ट है, बल्कि सेहत के लिए भी फायदेमंद है।

लैवेंडर का सिरका : सिरके का इस्तेमाल सलाद ड्रेसिंग और अन्य व्यंजन बनाने में किया जाता है। अगर आप सिरके में कुछ नया जोड़ना चाहते हैं तो लैवेंडर का इस्तेमाल कर सकते हैं।इसके लिए सफेद सिरके में सूखे लैवेंडर के फूल डालकर उसे धूप में रखें, ताकि उसका स्वाद अच्छे से निकल आए। यह सिरका आपके व्यंजनों को एक अनोखा स्वाद देगा। आप इस सिरके को सलाद ड्रेसिंग में, सॉस में या फिर किसी भी तरह की ग्रेवी में इस्तेमाल कर सकते हैं।

लैवेंडर का बिस्किट : बिस्किट बनाने के लिए मैदा, मक्खन, चीनी और सूखे लैवेंडर के फूलों का इस्तेमाल करें। इन सभी सामग्रियों को मिलाकर आटा गूंथ लें और छोटे-छोटे टुकड़ों में काटकर ओवन में सेंक लें। ये बिस्किट चाय या कॉफी के साथ बहुत ही स्वादिष्ट लगते हैं और बच्चों से लेकर बड़ों तक, सभी को पसंद आते हैं। इन बिस्किट को आप किसी भी खास मौके पर बना सकते हैं या फिर किसी भी समय खा सकते हैं।

लैवेंडर का शहद : शहद अपने आप में एक सेहतमंद चीज है और अगर उसमें लैवेंडर मिल जाए तो उसका फायदा कई गुना बढ़ जाता है। इसे बनाने के लिए शहद में सूखे लैवेंडर के फूल डालकर उसे कुछ दिन धूप में रखें, ताकि उसका सुगंधित प्रभाव शहद में समा जाए। इस तरह आप आसानी से अपनी रसोई में लैवेंडर को भी शामिल कर सकते हैं और इसका भरपूर लाभ भी उठा सकते हैं।

भारी बारिश से नदियां और नहरें उफान पर, घरों में घुसा पानी

हमारे संवाददाता

उधमसिंहनगर। पिछले दो दिनों से लगातार हो रही बारिश के चलते क्षेत्र की नदियों और नहरों का जलस्तर तेजी से बढ़ गया है। जलस्तर बढ़ने के कारण राजीव नगर, इंदिरा कॉलोनी और ग्राम चकरपुर में घरों में पानी घुसना शुरू हो गया है। लगातार बढ़ते जलस्तर से लोगों की चिंता बढ़ गई है।

रविवार सुबह से ही आलापुर माइनर और लेवड़ा नदी के जलस्तर में तेजी से वृद्धि हुई। इससे क्षेत्र में बाढ़ की आशंका बन रही है। वहीं, ग्राम झारखंडी को जाने वाला मार्ग गडप्पू नाले में बरसाती पानी आने के कारण बंद हो गया।

समाजसेवी वीरेंद्र विश्व के अनुसार हल्द्वानी मुख्य मार्ग से बाजपुर की ओर आने वाले रास्ते पर करीब ढाई से तीन फुट पानी बह रहा है। इससे आवागमन पूरी तरह प्रभावित हो गया है। पानी उतरने के बाद ही पता चल सकेगा कि सड़क को किन-किन स्थानों पर नुकसान पहुंचा है। जलस्तर में लगातार हो रही वृद्धि को देखते हुए प्रशासन ने भी सतर्कता बढ़ा दी है।

उप जिलाधिकारी ऋचा सिंह ने सभी बाढ़ चौकी प्रभारियों को सतर्क रहने, वैकल्पिक स्थानों को व्यवस्थित रखने तथा खाद्यान्न की आपूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए हैं। समाचार लिखे जाने तक क्षेत्र में किसी बड़े नुकसान की सूचना नहीं थी। प्रशासन स्थिति पर नजर बनाए हुए है। बाजपुर की लेवड़ा नदी में बढ़ते जलस्तर से ग्राम चकरपुर समेत नदी के आसपास बसे कई गांवों के लोगों की चिंता बढ़ गई है। इन गांवों में रहने वाले लोग पहले भी बरसात के दौरान नदी के उफान की समस्या झेलते रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि बारिश के दौरान जलस्तर इसी तरह बढ़ता रहा तो राजीव कॉलोनी, बाके नगर, इंदिरा कॉलोनी, यादव होटल के पीछे स्थित कॉलोनी, चकरपुर नई बस्ती और गुमसानी क्षेत्र के लोगों को नुकसान उठाना पड़ सकता है। गरीब परिवारों के सामने बारिश के दौरान चूल्हा जलाने और भोजन तैयार करने की समस्या भी खड़ी हो जाती है। ऐसे में नदी का जलस्तर बढ़ने से उनकी चिंता और बढ़ गई है। ग्रामीणों ने प्रशासन से संवेदनशील क्षेत्रों में निगरानी बढ़ाने और जरूरत पड़ने पर तत्काल राहत व्यवस्था उपलब्ध कराने की मांग की है।

सनातनियों को आचार्य देवो अवॉर्ड 2026 से किया सम्मानित

हरिद्वार(आरएनएस)। सनातन क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने वाली प्रतिभाओं को आचार्य देवो अवार्ड से सम्मानित किया गया। जीशील एजुकेशन सोसाइटी की ओर से सिडकुल में आयोजित समारोह में देश के विभिन्न हिस्सों से सनातन प्रेमी जुटे। कार्यक्रम में कैबिनेट मंत्री मदन कौशिक और अभिनेता मुकेश खन्ना ने सनातन परंपरा और संस्कृति को आगे बढ़ाने के प्रयासों की सराहना की। सिडकुल में आयोजित कार्यक्रम के दौरान कैबिनेट मंत्री मदन कौशिक ने कहा कि अवॉर्ड सेरेमनी के लिए हरिद्वार को चुना यह बहुत गर्व की बात है। हरिद्वार छोटा शहर है लेकिन सनातन के रूप में प्रसिद्ध नगरी है। यह नगरी बड़े आयोजन के माध्यम से करोड़ो लोगों को समाहित करती है। हरिद्वार में महाकुंभ होता है, श्रद्धालुओं में सनातन के प्रति आस्था है। कुंभ मेले को व्यवस्थित करना बहुत बड़ी चुनौती है। उन्होंने कहा कि प्रतिवर्ष करोड़ों लोग गंगा में स्नान करने आते हैं। सनातन को बचाने का कार्य करोड़ों लोग कर रहे हैं। पूरी दुनिया में सनातन को आगे बढ़ाने का कार्य कर रहे हैं। देश विदेश में सनातनी रहते हैं। पीएम नरेंद्र मोदी 2047 तक भारत को विकसित देश बनाने में लगे हुए हैं। एक साथ कई सनातनियों के दर्शन कार्यक्रम में हो रहा है। उन्होंने कहा कि आगामी कुंभ में सभी धर्मनगरी पहुंचे और कुंभ को सफल बनाएं। युवाओं में सनातन के प्रति लगाव बहुत अच्छा है। अभिनेता मुकेश खन्ना ने कहा कि सनातन बचेगा तभी राष्ट्र बचेगा। सनातन प्रेमी अपने अपने स्तर से देश विदेश में कार्य कर रहे हैं। इस अवसर पर गौरव शर्मा, मनप्रीत, इशिका तनेजा, संत राजू दास, शांतनु गुप्ता, आरती केत्रपाल आदि उपस्थित रहे।

बारिश के चलते भूस्खलन से कई मकान आए खतरे की जद में

हमारे संवाददाता

टिहरी। भिलंगना विकासखंड के भिगुन गांव में लगातार हो रही बारिश के चलते भूस्खलन हो गया। जिससे गांव को जोड़ने वाला मोटर मार्ग पूरी तरह बंद हो गया है, जबकि कई मकान भी खतरे की जद में आ गए हैं। भूस्खलन के बाद से ग्रामीणों में दहशत का माहौल है। उन्होंने प्रशासन से तत्काल सुरक्षा उपाय करने की मांग की है। भिलंगना विकासखंड की ग्राम सभा भिगुन में लगातार हो रही मूसलाधार बारिश के चलते हालात गंभीर बने हुए हैं। बारिश के कारण जगह-जगह भूस्खलन होने लगा है। गांव को जोड़ने वाला मोटर मार्ग पूरी तरह बंद हो गया है। इससे ग्रामीणों की आवाजाही प्रभावित हो गई है। ग्रामीणों के मुताबिक पहाड़ी से लगातार मलबा और भारी बोल्डर गिर रहे हैं। ऐसे में किसी भी समय बड़ा हादसा होने की आशंका बनी हुई है। लगातार बढ़ते खतरे के बीच ग्रामीणों में भय और अनिश्चितता का माहौल है।भूस्खलन के चलते गांव के कई मकानों पर भी खतरा मंडरा रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि

यदि बारिश इसी तरह जारी रही तो स्थिति और गंभीर हो सकती है। ग्रामीणों ने जिला प्रशासन से प्रभावित क्षेत्र का तत्काल स्थलीय निरीक्षण कराने की मांग की है। साथ ही भूस्खलन प्रभावित क्षेत्र में सुरक्षात्मक उपाय करने, बंद मोटर मार्ग को जल्द सुचारु कराने और खतरे की जद में आए परिवारों को सुरक्षित स्थान पर विस्थापित करने की मांग उठाई है। इस मामले में अपर जिलाधिकारी शैलेन्द्र सिंह नेगी ने कहा कि घनसाली से सूचना प्राप्त हुई है कि लगातार बारिश के चलते लैंडस्लाइडिंग स्थिति बन रही है। जिसको लेकर एसडीएम द्वारा भू वैज्ञानिक द्वारा सर्वे करने की संस्तुति की गई है, जल्द ही टीम जाकर भू- सर्वेक्षण करेगी।

धारडुंग्री-मैखुरा मार्ग 15 दिन से बंद, भूस्खलन से आवागमन ठप

चमोली (आरएनएस)। ब्लॉक का धारडुंग्री-मैखुरा मार्ग पिछले 15 दिनों से बंद है। सड़क के शुरुआत में ही पुश्ता क्षतिग्रस्त होने और भूस्खलन होने से वाहनों का आवागमन ठप है। इससे करीब तीन हजार की आबादी प्रभावित हैइस सड़क से गोपथला, मल्ला कनखुल, चोपड्यूं, बखरा, कांडा, गनोली, मैखुरा सहित कई गांवों के लोगों की आवाजाही होती है लेकिन सड़क बंद होने से ग्रामीणों को आवाजाही और जरूरी खाद्य सामग्री लाने-ले जाने में दिक्कतें आ रही हैं। ग्रामीणों ने बताया कि पिछले साल की भारी बारिश से सड़क की दीवार क्षतिग्रस्त हुई थी जिसे ठीक नहीं किया गया। इस बार बारिश के कारण सड़क और भी खराब हो गई। भू-धंसाव के कारण धारडुंग्री के सते सिंह के मकान को भी खतरा बना हुआ है। वहीं लोनिवि गौचर के अधिशासी अभियंता सुनील कुमार ने बताया कि भूस्खलन से सुरक्षा दीवार टूटी है। सड़क के नीचे एक मकान होने से निर्माण में दिक्कतें हैं लेकिन जल्द वैकल्पिक व्यवस्था की जाएगी।वहीं देवाल में भारी बारिश से स्टेट हाईवे थराली-देवाल मार्ग तीसरे दिन भी बंद रहा। नंदकेशरी के पास चट्टान टूटने से सड़क बंद है और पोकलेन मशीन भी काम नहीं कर पा रही है। कोठी और तलसारी के 20 स्कूली बच्चे विद्यालयों तक नहीं पहुंच पा रहे हैं। वहीं 150 मीटर सड़क ध्वस्त होने से देवाल-खेता मार्ग भी डेढ़ सप्ताह से बंद है। हालांकि लोनिवि नई सड़क बना रहा है लेकिन बारिश के कारण अभी काम रुका है। इस मार्ग से करीब 12 गांवों के दस हजार लोग प्रभावित हैं। वहीं अधिशासी अभियंता मनीष डोगरा ने बताया कि बारिश के कारण मलबा हटाने का काम रुका है।

बगाल चक गांव में गहराया पानी का संकट!

नई टिहरी(आरएनएस)। थौलधार ब्लॉक के बगालचक गांव में दो साल से पेयजल संकट बना है। जल जीवन मिशन में 20 किमी लंबी पेयजल लाइन के कुछ ही हिस्से की मरम्मत होने और टैंक लीकेज होने के कारण ग्रामीणों की पेयजल समस्या दूर नहीं हो पाई है जिससे गांव के करीब 70 परिवार आधा किमी दूर व्यक्तिगत लाइन से पानी भरने को मजबूर हैं।नगुण पट्टी के ग्राम बगाल चक के ग्रामीण दो साल से पानी की समस्या से जूझ रहे हैं। गांव के क्षेत्र पंचायत सदस्य सुनील डिमरी और प्रधान प्यारी देवी चौहान ने बताया कि 1989 में बनी 20 किमी लंबी पेयजल लाइन पूरी तरह से जर्जर हो चुकी है। लाइन की खस्ताहाल स्थिति को देखते हुए जल संस्थान ने दो-ढाई साल पहले जल जीवन मिशन से करीब 40-42 लाख रुपये खर्च कर योजना के कुल तीन किमी हिस्से के पाइप बदलकर टैंक भी बनाया था लेकिन अन्य जर्जर पाइप नहीं बदलने और टैंक लीकेज होने के कारण स्रोत पर पर्याप्त पानी होने के बावजूद गांव में पानी की समस्या बनी हुई है।सदस्य ने बताया कि गांव के निचले हिस्से में चार-पांच परिवारों ने गदेरे से अपने लिए व्यक्तिगत पाइप लाइन बनाई है। योजना से पानी नहीं मिलने के कारण ग्राम पंचायत ने अभी तक योजना का स्वामित्व नहीं लिया है। उन्होंने योजना का पुर्नगठन करने और दूसरा टैंक बनाने की मांग की है।

सू- दोकू क्र.062

	7			4		3		
2			3			9		4
	6			2				
3		1			7		4	
	2			1			6	
8			9		4			1
		2		3		7		
1			7		2	4		3
	5	3		8			7	2

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.61 का हल

9	2	8	3	1	5	7	4	6
4	1	6	8	9	7	2	5	3
7	3	5	4	6	2	8	1	9
2	7	3	9	8	1	4	6	5
5	4	1	6	7	3	9	2	8
6	8	9	2	5	4	1	3	7
3	6	2	7	4	9	5	8	1
8	5	7	1	2	6	3	9	4
1	9	4	5	3	8	6	7	2

17 सितंबर से जिलेभर में चलेगा सेवा संकल्प अभियान, भाजपा कार्यशाला में बनी रणनीति

अल्मोड़ा (आरएनएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में आयोजित किए जाने वाले सेवा संकल्प अभियान की तैयारियों को लेकर रविवार को भाजपा जिला कार्यालय पाताल देवी में जिला स्तरीय कार्यशाला आयोजित की गई। भारी बारिश के बावजूद जिले के विभिन्न क्षेत्रों से बड़ी संख्या में पदाधिकारी और कार्यकर्ता कार्यशाला में पहुंचे। इस दौरान 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक जिलेभर में सेवा पखवाड़ा मनाने की रूपरेखा प्रस्तुत की गई।

कार्यक्रम में भाजपा जिलाध्यक्ष महेश नयाल, कैबिनेट मंत्री रेखा आर्या, जिला प्रभारी एवं प्रदेश उपाध्यक्ष राजेंद्र बिष्ट, प्रदेश मंत्री गौरव पांडे, दर्जा राज्य मंत्री गोविंद पिलख्वाल और कुंदन लटवाल, पूर्व विधायक रघुनाथ सिंह चौहान व कैलाश शर्मा, मेयर अजय वर्मा, पूर्व जिलाध्यक्ष एवं प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य रवि रौतेला तथा बिट्टू कर्नाटक सहित कई पदाधिकारी मौजूद रहे। जिलाध्यक्ष महेश नयाल ने कहा कि 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक सेवा पखवाड़े के दौरान जिले के सभी मंडलों में विभिन्न सेवा एवं जनकल्याणकारी कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

उन्होंने कार्यकर्ताओं से अधिकाधिक जनभागीदारी सुनिश्चित करते हुए अभियान को गांव-गांव तक पहुंचाने का आह्वान किया। जिला महामंत्री एवं अभियान संयोजक दर्शन रावत ने सेवा पखवाड़े के दौरान आयोजित होने वाले कार्यक्रमों की विस्तृत रूपरेखा प्रस्तुत की। कैबिनेट मंत्री रेखा आर्या ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस को सेवा भावना के साथ मनाना संगठन के लिए विशेष अवसर है। उन्होंने कहा कि सेवा पखवाड़े के माध्यम से कार्यकर्ता जनता के बीच जाकर जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देने के साथ समाजसेवा के कार्यों को भी आगे बढ़ाएंगे। जिला प्रभारी एवं प्रदेश उपाध्यक्ष राजेंद्र बिष्ट ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन के 25 वर्ष पूरे होने के अवसर पर आयोजित सेवा पखवाड़े का उद्देश्य सेवा कार्यों के माध्यम से जनता से सीधा संवाद स्थापित करना है। उन्होंने बताया कि अभियान के दौरान विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। बैठक में संदीप श्रीवास्तव, कमल बिष्ट, कृपाल बिष्ट, मदन बिष्ट, सुनील बिष्ट, कैलाश गुरुरानी, संजय बिष्ट, नवीन बिष्ट, मंगल सिंह, जगदीश डंगवाल, हिमांशु बनौला आदि मौजूद रहे।

रोडवेज कर्मचारी दो माह से वेतन को तरसे

पिथौरागढ़(आरएनएस)। उत्तराखंड परिवहन निगम में नियमित वेतन न मिलने से कर्मचारी परेशान हैं। पिथौरागढ़ रोडवेज में तैनात 300 से अधिक कर्मचारियों को जुलाई माह से वेतन नहीं मिला है। वेतन का इंतजार कर रहे कर्मचारियों के सामने घर का खर्च चलाने के साथ ही बच्चों की फीस, मकान का किराया और बैंक की किश्तें चुकाने का संकट खड़ा हो गया है। रोडवेज कर्मचारी नियमित रूप से अपनी ड्यूटी निभाकर यात्रियों को परिवहन सुविधा उपलब्ध करा रहे हैं, लेकिन इसके बदले उन्हें समय पर वेतन नहीं मिल पा रहा है। लगातार वेतन में हो रही देरी से कर्मचारियों में नाराजगी बढ़ती जा रही है।कर्मचारियों का कहना है कि वेतन उनके परिवार की रोजमर्रा की जरूरतों का मुख्य सहारा है। ऐसे में महीनों तक वेतन नहीं मिलने से आर्थिक स्थिति लगातार बिगड़ रही है। रोडवेज इम्प्लाइज यूनियन के अध्यक्ष अर्जुन सिंह और महामंत्री निशित चंद ने बताया कि वेतन नहीं मिलने से कर्मचारियों को बैंक लोन की किश्तें चुकाने में दिक्कत हो रही है। बच्चों की स्कूल फीस और घर की अन्य जरूरी जरूरतें पूरी करना भी मुश्किल हो गया है। उन्होंने कहा कि कर्मचारी पूरी जिम्मेदारी के साथ अपनी ड्यूटी कर रहे हैं, इसके बावजूद समय पर वेतन नहीं मिलना गंभीर चिंता का विषय है।

सार्वजनिक शौचालयों पर ताले, राहगीरों को परेशानी

रुड़की (आरएनएस)। शहर में लोगों की सुविधा के लिए बनाए गए कई सार्वजनिक शौचालयों पर ताले लटके होने से राहगीरों और आसपास के दुकानदारों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

सार्वजनिक स्थानों पर शौचालयों की सुविधा नहीं मिलने के कारण लोगों को परेशानी झेलनी पड़ रही है। लोगों ने नगर निगम अधिकारियों से बंद पड़े शौचालयों को खुलवाने और उनकी नियमित सफाई कराने की मांग की है। शहर के चावमंडी स्थित गौशाला के समीप बनाए गए सार्वजनिक शौचालय में लंबे समय से ताला लटका हुआ है। यहां आसपास बड़ी संख्या में दुकानें हैं और लोगों की आवाजाही भी रहती है। इसके बावजूद शौचालय बंद रहने से राहगीरों और दुकानदारों को दिक्कत होती है।

इसी तरह सुनहरा के औद्योगिक क्षेत्र में बनाए गए सार्वजनिक शौचालय भी लोगों के उपयोग के लिए नियमित रूप से नहीं खुलते हैं। पार्षद प्रतिनिधि सोनू कश्यप ने बताया कि औद्योगिक क्षेत्र में सार्वजनिक शौचालय तो बनाया गया था, लेकिन उसमें न तो बिजली की सुविधा न ही पानी की, वह सालों से बंद पड़ा है।

इसी तरह से रामनगर ऊर्जा निगम कार्यालय के सामने बने सार्वजनिक शौचालय में भी ताला ही लटका रहता है। स्थानीय लोगों का कहना है कि नगर निगम की ओर से सार्वजनिक स्थानों पर शौचालयों का निर्माण लोगों की सुविधा के लिए कराया गया है। यदि इन पर ताला ही लगा रहना है तो ऐसे निर्माण का लोगों को क्या लाभ मिलेगा।

लोगों ने कहा कि कम से कम प्रमुख बाजारों और सार्वजनिक स्थानों पर बने शौचालयों को निर्धारित समय पर खुला रखा जाना चाहिए।लोगों के मुताबिक, जो सार्वजनिक शौचालय खुले भी रहते हैं, उनमें से कई की सफाई व्यवस्था संतोषजनक नहीं है। कई जगह पानी की उपलब्धता नहीं होने और बिजली की व्यवस्था खराब होने से भी लोगों को परेशानी होती है। लोगों ने शौचालयों की नियमित निगरानी के साथ सफाई व्यवस्था दुरुस्त कराने की मांग की है।

नगर निगम के वरिष्ठ नगर स्वास्थ्य अधिकारी कुंदन कुमार ने बताया कि जो सार्वजनिक शौचालय बंद हैं, उन्हें नियमित रूप से खुलवाने के निर्देश दिए जाएंगे। सभी सार्वजनिक शौचालयों में सफाई के लिए कर्मचारी तैनात हैं। उन्हें भी नियमित सफाई व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए जाएंगे। किसी शौचालय में पानी या बिजली की समस्या है तो उसका भी निस्तारण कराया जाएगा।

सीवर के पिट ओवरफ्लो, सड़कों पर बह रहा गंदा पानी

पिथौरागढ़(आरएनएस)। नगर के कुमौड़, पाण्डेयगांव, पुरानी बाजार और केदार कॉलोनी समेत कई इलाकों में सीवर का गंदा पानी सड़कों पर बहने से लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

कई स्थानों पर सीवर पिट ओवरफ्लो होने के कारण गंदा पानी सड़कों पर फैल गया है। लोगों को इसी गंदगी के बीच से होकर आवागमन करना पड़ रहा है। सड़कों पर सीवर का पानी बहने से राहगीरों और स्थानीय लोगों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। केदार कॉलोनी निवासी कमल सिंह ने बताया कि गंदे पानी के संपर्क में आने से पैरों में खुजली समेत त्वचा संबंधी अन्य समस्याएं सामने आ रही हैं।इससे लोगों में बीमारियां फैलने की आशंका बनी हुई है। स्थानीय लोगों के मुताबिक बारिश शुरू होते ही कई स्थानों पर सीवर पिट के ढक्कन खुल जाते हैं और गंदा पानी सड़कों पर बहने लगता है। बारिश के दौरान हर साल सीवर ओवरफ्लो की समस्या सामने आती है, लेकिन जिम्मेदार विभाग स्थायी समाधान करने के बजाय केवल खानापूर्ति करता नजर आता है। कुमौड़ निवासी मनोज कुमार ने बताया कि पुलिस लाइन रोड पर जगह-जगह सीवर पिट खुले हुए हैं। पिट खुले होने के कारण सीवर का गंदा पानी सड़क पर बह रहा है। पानी के साथ पॉलीथीन और अन्य कूड़ा-करकट भी बहकर दुकानों के सामने पहुंच रहा है। इससे दुकानदारों और राहगीरों को परेशानी हो रही है। क्षेत्र में नालियों का पर्याप्त निर्माण नहीं होने के कारण भी जल निकासी की समस्या बनी हुई है। सीवर का पानी सड़कों पर बहने से आसपास के क्षेत्र में दुर्गंध फैल रही है और लोगों को आवाजाही में दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। लोगों ने प्रशासन से सीवर व्यवस्था को दुरुस्त करने, ओवरफ्लो हो रहे पिटों की सफाई कराने व सड़कों पर बह रहे गंदे पानी की समस्या का जल्द स्थायी समाधान करने की मांग की है।

तुषार ने लिया नेशनल बरिस्ता चैम्पियनशिप में हिस्सा

हमारे संवाददाता

नई दिल्ली/देहरादून। उत्तराखण्ड के तुषार अरोड़ा ने उत्तराखण्ड की स्थानीय सामग्री के साथ नेशनल बरिस्ता चैम्पियनशिप में हिस्सा लिया।

दिल्ली में हुई नेशनल बरिंस्ता चैम्पियनशिप के शुरूआती दौर में उत्तराखण्ड के बुरांश और शहद को पेश किया गया। देहरादून के विंटरलाइन काफी रोस्टर्स के तुषार अरोड़ा ने नेशनल बरिस्ता चैम्पियनशिप (दिल्ली प्रीलिम्स) में शानदार तरीके से प्रतिनिधित्व किया। उन्होने उत्तराखण्ड की सामग्री मुनस्यारी का बुरांश और चंपावत का शहद इस्तेमाल करने का फैसला किया। उनका मकसद उत्तराखण्ड के युवाओं को दुनिया भर में पेशेवर बरिस्ता (काफी शेफ) के तौर पर पहचान दिलाना और उन्हे बढ़ावा देना है।

काफी बोर्ड आफ इंडिया ने 4 और 5 सितम्बर 2026 को दिल्ली में नेशनल बरिस्ता चैम्पियनशिप आयोजित की। यह काफी इंडस्ट्री का बहुप्रतिक्षित इंवेट है। जिसमें सभी क्षेत्रों से चुने गये टाप 16 प्रतिभागी अब नेशनल टाइटल के लिए आगे मुकाबला करेंगे। देहरादून उत्तराखण्ड से 'विंटरलाइन काफी रोस्टर्स' के तुषार अरोड़ा ने इसमें हिस्सा लिया। बता दें कि उत्तराखण्ड की स्थानीय सामग्री के जरिए राज्य को बढ़ावा देने वाले वह पहले व्यक्ति है। उनका प्रदर्शन शानदार रहा और अब अंतिम नतीजों का इंतजार है।

53 निरीक्षकों, उपनिरीक्षकों..

◀◀ पृष्ठ 2 का शेष

रविन्द्र नेगी को कैण्ट से एसआईएस शाखा, ओमप्रकाश को नेहरू कालोनी से कैण्ट, प्रवीन सैनी को कुठालगेट से सब्बावाला चौकी प्रभारी, आशीष कुमार को नेहरू कालोनी स` पटेलनगर, प्रवीन पुण्डीर को पटेलनगर से सहसपुंर, मनमोहन नेगी को सहसपुर से नेहरू कालोनी, संजय रावत को रायवाला से प्रेमनगर, मुकेश थलेडी को प्रेमनगर से चौकी प्रभारी आईएसबीटी ऋषिकेश, वैभव गुप्ता को कुल्हाल से जाखन, सूरज कण्डारी को जाखन से कुल्हाल, शैलेन्द्र प्रसाद को आईएसबीटी ऋषिकेश से रानीपोखरी, दीपक गैरोला को पंडितवाडी से हर्रावाला, कमलेश गौड को हर्रावाला से पंडितवाडी, अशोक राठौर को पुलिस लाईन से प्रभारी मानवाधिकार प्रकोष्ट, विपिन चन्द्र को एसआईएस शाखा से डोईवाला, जयपाल सिंह को डालनवाला से ऋषिकेश, अजय प्रकाश को विकासनगर से कैण्ट, रजनीश सैनी को डालनवाला से मसूरी, पंकज महिपाल को मसूरी से कैण्ट, मुकेश कुमार को डोईवाला से प्रेमनगर, जगमोहन को ऋषिकेश से नेहरू कालोनी, वंदना नेगी को पुलिस लाईन से सहसपुंर, रजनी चमोली को एसआईएस शाखा से कोतवाली नगर,संयोगिता रावत को मसूरी से एसआईएस शाखा, शालू धारीवाला को कोतवाली नगर से एसआईएस शाखा, अनीता बिष्ट को डालनवाला से राजपुर, रश्मि रावत को नेहरू कालोनी से मसूरी, पिंकी पंवार को रायपुर से रानीपोखरी, संदीप कुमार को मसूरी से कालसी, विनोद चमोली को पुलिस लाईन से रायवाला, योगेन्द्र कुमार को रायवाला से ऋषिकेश, सर्वेश कुमार को पटेलनगर से राजपुर, बद्रीलाल को क्लेमनटाउन से पुलिस लाईन, अरविन्द को त्यूनी से सेलाकुई, दीपेन्द्र रावत को सेलाकुई से त्यूनी, कमलेश लता को प्रेमनगर से सहसपुर, मनवर नेगी को डोईवाला, सुधा बिष्ट को कैण्ट भेजा गया। सभी को तत्काल प्रभाव से अपना कार्यभार सम्भालने के आदेश दिये।

चुनावी हुंकार से पहले 'म्यान' से...

◀◀ पृष्ठ 2 का शेष

उसे चुनावी ध्रूवीकरण का हथियार बनाना अलग। उत्तराखंड की सामाजिक संरचना बेहद संवेदनशील है। इसलिए राजनीतिक दलों की जिम्मेदारी भी बड़ी है। आरोप लगाना आसान है, सामाजिक भरोसा बचाना मुश्किल।

शुद्धिकरण विवाद ने एक और संकेत दे दिया है कि 2027 का चुनाव केवल विकास के आंकड़ों की लड़ाई नहीं होगा। यह नैरेटिव की लड़ाई भी होगा। कौन जनता को यह समझाने में सफल होता है कि उसके सामने सबसे बड़ा खतरा क्या है? कौन यह साबित करता है कि असली मुद्दा क्या है? कौन विरोधी दल को जनता के सवालों से भटका हुआ साबित करता है? और कौन अपने पक्ष में सामाजिक समीकरण खड़ा करता है? यही आने वाले महीनों की राजनीति का केंद्रीय खेल होगा। भाजपा कांग्रेस को नकारात्मक और विवाद की राजनीति करने वाली पार्टी के रूप में पेश करेगी। कांग्रेस भाजपा को सत्ता के अहंकार और सामाजिक संवेदनशीलता की अनदेखी करने वाली सरकार के रूप में घेरने की कोशिश करेगी। यानी असली चुनाव से पहले ही किसका नैरेटिव चलेगा की लड़ाई शुरू हो चुकी है।

माउंट किलिमंजारो का आरोहण करने वाले रियांश व प्रिशा ने की सीएम ने मुलाकात

संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से मुख्यमंत्री आवास में तंजानिया स्थित अफ्रीका की सबसे ऊंची चोटी माउंट किलिमंजारो का सफल आरोहण करने वाले उत्तराखंड के नन्हे पर्वतारोही मास्टर रियांश पंत और प्रिशा रावत ने भेंट की।

आज यहां मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से मुख्यमंत्री आवास में तंजानिया स्थित अफ्रीका की सबसे ऊंची चोटी माउंट किलिमंजारो का सफल आरोहण करने वाले उत्तराखंड के नन्हे पर्वतारोही मास्टर रियांश पंत और प्रिशा रावत ने भेंट की। मुख्यमंत्री ने दोनों बच्चों को इस उपलब्धि के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

उन्होंने कहा कि इतनी कम उम्र में माउंट किलिमंजारो जैसी चुनौतीपूर्ण चोटी का सफल आरोहण करना उनके साहस, दृढ़ संकल्प और आत्मविश्वास का परिचायक है। दोनों बच्चों ने अपनी इस उपलब्धि से उत्तराखंड का गौरव बढ़ाया है। उनकी सफलता प्रदेश के अन्य बच्चों और युवाओं को भी बड़े लक्ष्य निर्धारित कर उन्हें हासिल करने के लिए प्रेरित करेगी। 9 वर्षीय मास्टर रियांश पंत अल्मोड़ा के चीनाखान और 10 वर्षीय प्रिशा रावत नैनीताल जनपद के बैलपड़ाव की निवासी हैं। दोनों ने 22 अगस्त 2026 को 5,895 मीटर ऊंची माउंट किलिमंजारो चोटी का सफल आरोहण कर तिरंगा फहराया था। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड के बच्चों और युवाओं में प्रतिभा, साहस और सामर्थ्य की कोई कमी नहीं है। प्रदेश के युवा पर्वतारोहण, खेल एवं अन्य साहसिक गतिविधियों में अपनी प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन कर राज्य का नाम राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर रोशन कर रहे हैं। राज्य सरकार युवा प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने और उन्हें आगे बढ़ने के बेहतर अवसर उपलब्ध कराने की दिशा में निरंतर कार्य कर रही है।

दुपहिया वाहन चोर गिरोह का खुलासा, दो गिरफ्तार, 19 दुपहिया वाहन बरामद

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। दुपहिया वाहन चोर गिरोह का खुलासा करते हुए पुलिस ने दो शातिरों को गिरफ्तार कर लिया है। जिनकी निशानदेही पर चुराये गये 19 दुपहिया वाहन बरामद किये गये है।

जानकारी के अनुसार बीती 17 अगस्त 2026 को आस मोहम्मद पुत्र मोहम्मद शहजाद निवासी ग्राम बिझोली, कोतवाली मंगलौर ने ग्राम लाठदेवा शेख, कोतवाली झबरेड़ा क्षेत्र से अपनी मोटरसाइकिल चोरी होने की शिकायत दर्ज कराई गयी थी। मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर चोरों की तलाश शुरू कर दी गयी।

जांच में सामने आया कि आरोपी पुलिस से बचने और अपनी पहचान छिपाने के लिए बार-बार मास्क, कपड़े और हेयर स्टाइल बदलते थे। इसके बावजूद पुलिस टीम ने तकनीकी एवं मैनुअल इनपुट के आधार पर आरोपियों की गतिविधियों पर निगरानी रखी।

पुलिस के मुताबिक, 6 सितंबर 2026

को चेकिंग के दौरान एक सूचना के आधार पर फाजिलपुर चौराहे के पास दो संदिग्धों को चोरी की मोटरसाइकिल के साथ दबोच लिया गया। पूछताछ के बाद आरोपियों की निशानदेही पर अलग-अलग स्थानों से चोरी की 18 अन्य मोटरसाइकिलें बरामद की गईं। इस प्रकार कुल 19 मोटरसाइकिलें बरामद हुईं। पूछताछ में आरोपियों ने कई मोटरसाइकिलें कोतवाली झबरेड़ा, कोतवाली नगर हरिद्वार, सिविल लाइंस रुड़की तथा थाना सदर बाजार सहारनपुर क्षेत्र से चोरी करना स्वीकार किया है। बरामद अन्य वाहनों के संबंध में संबंधित जनपदों एवं थाना क्षेत्रों से जानकारी जुटाई जा रही है तथा संबंधित पुलिस इकाइयों को भी सूचना भेजी गई है। गिरफ्तार लोगों के नाम अरमान पुत्र मुज्जमिल, निवासी तेलीवाला, कोतवाली गंगनहर, हरिद्वार व मोनू पुत्र महेंद्र, निवासी बरशेर सिकंदरपुर, थाना सिरौली, जिला बरेली, उत्तर प्रदेश, हाल निवासी किरायेदार सुलेमान, शक्ति विहार, रेलवे स्टेशन के पास, कोतवाली गंगनहर, हरिद्वार बताये जा रहे है।

नई शिक्षा नीति के तहत तकनीकी दक्षता प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

संवाददाता

किच्छा। राजकीय महाविद्यालय, किच्छा के आंतरिक गुणवत्ता एवं सुनिश्चयन प्रकोष्ठ तथा राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा नई शिक्षा नीति के तहत दो दिन का तकनीकी दक्षता प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रारंभ हुआ। यह प्रशिक्षण इन्फोसिस स्प्रिंगबोर्ड के द्वारा प्रदान किया जा रहा है। विद्यार्थियों को आधुनिक तकनीक एवं डिजिटल कौशल से जोड़ने के उद्देश्य से इन्फोसिस स्प्रिंगबोर्ड मेकर लैब ऑन व्हील्स द्वारा इस दो दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम के प्रथम दिन इस प्रशिक्षण सत्र में महाविद्यालय के 40 विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया।

कार्यक्रम में विद्यार्थियों को चौथी औद्योगिक क्रांति (इंडस्ट्री 4.0), डिजिटल तकनीक, बेसिक इलेक्ट्रॉनिक्स, माइक्रोकंट्रोलर आधारित कोडिंग, रोबोटिक्स, बॉट आधारित प्रोजेक्ट, प्रिसीजन सिस्टम तथा इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी) की जानकारी प्रदान की गई। विद्यार्थियों को विभिन्न उपकरणों

एवं किट्स के माध्यम से प्रयोगात्मक रूप से सीखने का अवसर भी मिला। यह पहल विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्र के विद्यार्थियों तक आधुनिक तकनीकी एवं कौशल आधारित शिक्षा पहुँचाने की दिशा में महत्वपूर्ण है।

इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. राजीव रतन ने कहा कि, इन्फोसिस स्प्रिंगबोर्ड की यह पहल विद्यार्थियों को आधुनिक तकनीक से जोड़ने के साथ-साथ उनमें जिज्ञासा, रचनात्मकता और व्यावहारिक कौशल विकसित करने में सहायक होगी। ग्रामीण क्षेत्र के विद्यार्थियों के लिए इस प्रकार के अवसर अत्यंत महत्वपूर्ण हैं।

आंतरिक गुणवत्ता एवं सुनिश्चयन प्रकोष्ठ तथा नई शिक्षा नीति के समन्वयक डॉ. प्रकाश चंद भट्ट ने कहा कि मेकर लैब ऑन व्हील्स विद्यार्थियों को करके सीखने का अवसर प्रदान करती है। यह पहल नई शिक्षा नीति के कौशल, नवाचार के उद्देश्यों के अनुरूप विद्यार्थियों को भविष्य की तकनीकी चुनौतियों के लिए तैयार करने में उपयोगी सिद्ध होगी।

इन्फोसिस के इंजीनियर एवं प्रशिक्षक अमित ने विद्यार्थियों को मेकर लैब की विभिन्न गतिविधियों एवं तकनीकी उपकरणों की जानकारी देते हुए बताया कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को तकनीक के साथ व्यावहारिक रूप से जोड़ना है। विद्यार्थी स्वयं प्रयोग करके इलेक्ट्रॉनिक्स, रोबोटिक्स, आईओटी और कोडिंग जैसी तकनीकों को समझ सकते हैं तथा अपने विचारों को वास्तविक प्रोजेक्ट में बदलना सीख सकते हैं।

कार्यक्रम में प्रो. शैलजा जोशी, डॉ. राजेश कुमार सिंह, डॉ. उमराव सिंह एवं डॉ. हर्षिता तिवारी सहित महाविद्यालय के कार्मिक उपस्थित रहे।

शिक्षक केवल विद्यार्थी का नहीं, बल्कि पूरे राष्ट्र के भविष्य का निर्माण करता है : मुख्यमंत्री

◆ मुख्यमंत्री ने 'ज्ञान गंगा सम्मान समारोह' में शिक्षकों को किया सम्मानित, मेधावी विद्यार्थियों को प्रदान की छात्रवृत्ति

संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मुख्यमंत्री कैंप कार्यालय स्थित मुख्य सेवक सदन में कुसुम कांता फाउंडेशन एवं मंथन वेलफेयर एसोसिएशन द्वारा आयोजित 'ज्ञान गंगा सम्मान समारोह एवं छात्रवृत्ति वितरण कार्यक्रम' में प्रतिभाग किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने शिक्षकों को सम्मानित किया तथा मेधावी छात्र-छात्राओं को छात्रवृत्ति प्रदान की।

मुख्यमंत्री ने कहा कि ज्ञान गंगा सम्मान समारोह केवल सम्मान और छात्रवृत्ति वितरण का कार्यक्रम नहीं, बल्कि प्रतिभाओं को पहचान देने, शिक्षा को प्रोत्साहित करने और बच्चों के सपनों को नई उड़ान देने का सराहनीय प्रयास है। किसी बच्चे की शिक्षा में सहयोग करना केवल उसकी आर्थिक सहायता करना नहीं, बल्कि उसके सपनों को पूरा करने में सहभागी बनना है। मुख्यमंत्री ने स्व. श्रीमती कुसुम कांता को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि संगीत, साहित्य और शिक्षा के प्रति उनका समर्पण प्रेरणादायी रहा है। उन्होंने कहा कि उनके जीवन-मूल्यों और सेवा भाव को आगे बढ़ाते हुए कुसुम कांता फाउंडेशन पिछले छह वर्षों से शिक्षा, महिला सशक्तीकरण, कौशल विकास, डिजिटल साक्षरता और पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में सराहनीय कार्य कर रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि भारतीय संस्कृति में गुरु को सदैव सर्वोच्च स्थान दिया गया है। शिक्षक केवल किताबी ज्ञान नहीं देता, बल्कि विद्यार्थी को दृष्टि, आत्मविश्वास और संस्कार देने के साथ उसकी प्रतिभा को पहचानकर आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है। एक शिक्षक कक्षा में केवल एक विद्यार्थी का नहीं, बल्कि पूरे राष्ट्र के भविष्य का निर्माण करता है। उन्होंने शिक्षकों से बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ ऐसे संस्कार और जीवन-मूल्य देने का आह्वान किया, जो उन्हें अच्छा इंसान और जिम्मेदार नागरिक बनाएं।

पूर्व मुख्यमंत्री एवं पूर्व केंद्रीय शिक्षा मंत्री डॉ. रमेश पोखरियाल 'निशंक' ने अपनी धर्मपत्नी स्व. श्रीमती कुसुम कांता का भावपूर्ण स्मरण करते हुए कहा कि शिक्षा, साहित्य, संगीत और समाज सेवा के प्रति उनका विशेष अनुराग था। एक शिक्षिका के रूप में उन्होंने शिक्षा और संस्कारों को सदैव महत्वपूर्ण स्थान दिया। उनके जीवन-मूल्यों और सेवा भाव को आगे बढ़ाते हुए शिक्षा एवं समाज हित में किए जा रहे कार्य ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि हैं।

भीषण सड़क हादसे में बदायूं के 13 श्रद्धालुओं की मौत

संवाददाता

बागपत। उत्तर प्रदेश के बागपत जिले में ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे पर सोमवार देर रात हुए भीषण सड़क हादसे में बदायूं के 13 श्रद्धालुओं की मौत हो गई, जबकि 2० से अधिक लोग घायल हुए हैं। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

जानकारी के अनुसार, बदायूं के अलग-अलग गांवों से श्रद्धालुओं का समूह राजस्थान के गोगामेड़ी स्थित जाहरवीर बाबा के दर्शन के लिए गया था। दर्शन के बाद श्रद्धालु पिकअप वाहन से बदायूं लौट रहे थे। इसी दौरान बागपत के ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे पर बड़ागांव के पास पिकअप वाहन को कैंटर ने टक्कर मार दी। टक्कर के बाद पिकअप अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकराते हुए पलट गया। हादसा इतना भीषण था कि कई श्रद्धालु वाहन के नीचे दब गए।

सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को बाहर निकालकर अस्पताल पहुंचाया। शुरुआती जानकारी में चार लोगों की मौके पर ही मौत हुई थी, जबकि उपचार के दौरान कई अन्य घायलों ने दम तोड़ दिया। इसके बाद मृतकों की संख्या बढ़कर 13 हो गई। मृतकों में बदायूं के अल्लापुर चमारी गांव के सात लोग भी शामिल हैं। हादसे की सूचना मिलने के बाद प्रशासनिक अधिकारियों ने अस्पताल पहुंचकर घायलों का हाल जाना। गंभीर रूप से घायल लोगों को बेहतर उपचार के लिए मेरठ और दिल्ली रेफर किए जाने की भी जानकारी सामने आई है।

कुंभ मेला 2027 के लिए उत्तरखंड को अतिरिक्त खाद्यान्न आवंटित

संवाददाता

देहरादून। हरिद्वार में प्रस्तावित कुंभ मेला-2027 को देखते हुए भारत सरकार ने उत्तराखंड के लिए अतिरिक्त गेहूं और चावल का आवंटन किया है। उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय, भारत सरकार की ओर से जारी पत्र के अनुसार राज्य को 3,051.079 मीट्रिक टन गेहूं तथा 4,978.073 मीट्रिक टन चावल अतिरिक्त रूप से आवंटित किया गया है।

भारत सरकार के दिशा-निर्देशों के तहत कुंभ जैसे बड़े आयोजनों के लिए संबंधित राज्य को राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत वार्षिक खाद्यान्न आवंटन का अधिकतम दो प्रतिशत तक अतिरिक्त आवंटन किया जाता है। इसी क्रम में उत्तराखंड सरकार ने केंद्र सरकार से राज्य को अतिरिक्त खाद्यान्न आवंटन की मांग की थी। जिसके बाद भारत सरकार के खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण विभाग ने उत्तराखंड को कुल 8,029.152 मीट्रिक टन गेहूं एवं चावल का अतिरिक्त आवंटन किया है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने अतिरिक्त खाद्यान्न आवंटन के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं केंद्र सरकार का आभार व्यक्त किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि कुंभ मेला-2027 को सुव्यवस्थित एवं भव्य रूप से आयोजित करने के लिए राज्य सरकार सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित कर रही है। श्रद्धालुओं की सुविधा और सुचारु व्यवस्थाओं को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए सभी संबंधित विभागों को समयबद्ध तैयारियां सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

एसआइआर पर राजनैतिक दलों के साथ हुई बैठक सम्पन्न

हमारे संवाददाता

देहरादून। मुख्य निर्वाचन अधिकारी डॉ. बी.वी.आर.सी. पुरुषोत्तम की अध्यक्षता में आज मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक आयोजित की गई। बैठक में विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम को लेकर विस्तृत चर्चा की गई एवं राजनैतिक दलों के सुझाव प्राप्त किए गए।

◆विसंगति और अनमैप्ड वाले 24 लाख 29 हजार नोटिसों पर अबतक हो चुकी सुनवाई

मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग ने उत्तराखंड में मतदाता सूची के अंतिम प्रकाशन की तिथि को आगे बढ़ाते हुए 3 अक्टूबर 2026 निर्धारित की है। इसके साथ ही बैठक में बताया गया कि 24 लाख 30 हजार मतदाताओं को जारी नोटिसों के सापेक्ष 24 लाख 29 हजार से अधिक नोटिसों की सुनवाई पूरी कर दी गई है।

राजनैतिक दलों को बैठक में बताया गया कि फार्म 6,7 और 8 पर भी 40 प्रतिशत से अधिक दावे एवं आपत्तियों की सुनवाई कर दी गई है। बैठक में राजनैतिक दलों को यह भी बताया गया कि प्रदेश में डेमोग्राफिक सिमिलर एंट्री एवं फोटो सिमिलर एंट्री (डीएसई/पीएसई) मॉड्यूल को लागू किया जाएगा। इस मॉड्यूल में जिन मतदाताओं के नाम पाए जाऐंगे उन्हें नोटिस जारी कर जवाव देने के लिए 15 दिन का समय दिया जाएगा।

धीरेंद्र शास्त्री की अपील पर बंगाल भाजपा अध्यक्ष का पलटवार, बोले- 'बंगाली अपनी पसंद का खाना खाएंगे'

संवाददाता

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में दुर्गा पूजा से पहले खान-पान को लेकर राजनीतिक और सामाजिक बहस तेज हो गई है। बागेश्वर धाम के धीरेंद्र शास्त्री की ओर से दुर्गा पूजा के दौरान बंगालियों से मांसाहारी भोजन से परहेज करने की अपील पर पश्चिम बंगाल भाजपा अध्यक्ष समिक भट्टाचार्य ने प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि कोई बाहरी व्यक्ति यह तय नहीं कर सकता कि बंगाल के लोग क्या खाएंगे और क्या पहनेंगे।

धीरेंद्र शास्त्री ने हाल ही में दुर्गा पूजा पंडालों के पीछे मांसाहारी भोजन बनाए जाने पर आपत्ति जताते हुए लोगों से पूजा के दौरान नॉनवेज छोड़ने की अपील की थी। उन्होंने ऐसे लोगों को लेकर भी टिप्पणी

की थी जो खुद को धार्मिक बताते हैं, लेकिन त्योहार के दौरान मांसाहारी भोजन करते हैं।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि बंगाल में मछली और मांस पारंपरिक खान-पान का हिस्सा रहे हैं। उन्होंने अष्टमी पर लुची (पूरी) और नवमी पर बकरे का मांस खाने की परंपरा का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि बंगाल के लोगों को यह बताने का अधिकार किसी को नहीं है कि उन्हें क्या खाना चाहिए।

समिक भट्टाचार्य ने कहा कि वह धीरेंद्र शास्त्री का धार्मिक व्यक्ति के रूप में सम्मान करते हैं, लेकिन उनकी व्यक्तिगत राय को बंगाली समाज पर थोपा नहीं जा सकता। उन्होंने कहा कि कोई संत या चिकित्सक लोगों को शाकाहारी बनने की सलाह दे सकता है, लेकिन बाहर से आने वाला कोई व्यक्ति बंगाल के लोगों की खान-पान और पहनावे की पसंद तय नहीं कर सकता।

धीरेंद्र शास्त्री की टिप्पणी के बाद पश्चिम बंगाल में धर्म, परंपरा और खान-पान को लेकर बहस शुरू हो गई है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष की प्रतिक्रिया को बंगाल की पारंपरिक सांस्कृतिक पहचान और पार्टी के राजनीतिक रुख के बीच संतुलन बनाने की कोशिश के तौर पर भी देखा जा रहा है।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकार:
वी के अरोड़ा, एडवोकेट
बैजनाथ, एडवोकेट

कार्यालय: दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोट: सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।